डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 31.03.2025 से 06.04.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-14 ▶ मूल्य ₹ 10.00

// संक्षिप्त खबर //

स्वावलंबी और उद्यमशील बनेंगे

मध्यप्रदेश के 'आकांक्षी युवा'- मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित फायरसाइड चैट सत्र - 'हाउ स्टेट्स ऐड टू इंडिया स्टोरी' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी केवल सरकारी नौकरियों से दूर नहीं होगी। 145 करोड़ जनसंख्या वाले भारत देश में सरकारी नौकरियों का अनुपात 1 प्रतिशत से अधिक नहीं है। देश के सबसे बड़े नियोजक सशस्त्र बल में भी थल, जल और वायु सेना में सम्मिलित रूप से केवल 13.5 लाख व्यक्ति ही नियोजित हैं। प्रदेश के आकांक्षी युवाओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के माध्यम से रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अब 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 15 लाख करोड़ रुपये है और वार्षिक विकास दर 12 प्रतिशत है।

'सृजन' पोर्टल पर 19 अप्रैल तक कर सकेंगे प्रोजेक्ट अपलोड

भोपाल, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कार्यक्रम 'सृजन' में हिस्सा लेने शोधार्थी विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण अपलोड करने की सुविधा 25 मार्च से शुरू कर दी गई है। सृजन पोर्टल पर संबंधित संस्थाओं द्वारा अप्लाई किये जाने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तृत विवरण अपलोड करने की व्यवस्था की गई है। संस्थान अपने विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट, सृजन कार्यक्रम के पोर्टल https://srijan.rgpv.ac.in/ पर अपलोड कर सकते हैं। विद्यार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट्स विवरण 19 अप्रैल तक पोर्टल में जमा किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा अपलोडेड प्रोजेक्ट्स की प्रारंभिक समीक्षा 21 अप्रैल से शुरू होगी।

हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में हुए नागरिक सम्मान समारोह में कहा कि देश के चहुंमुखी विकास में मध्यप्रदेश का योगदान अव्वल रहेगा। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मध्यप्रदेश पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। अगले 5 साल में हम प्रदेश का सालाना बजट दोगुना कर देंगे। कोई नया टैक्स नहीं लगाएंगे बल्कि नागरिकों की आय बढ़ाकर अपने बजट को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल की प्राकृतिक सम्पदा और इसके इतिहास के संवर्धन में कोई कसर नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि उन्हें जनता की सेवा का अवसर मिला है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

हमारा लक्ष्य है कि सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचे - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

भोपाल, जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों को पक्का आवास प्रदान करें। कोई भी हितग्राही आवास पाने से वंचित न रहे। किन्हीं भी कारणों से आवास पाने से छूट गये पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना की पात्रतानुसार पक्के घर की सौगात दी जाये। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में उन्होंने अभियान के मैदानी क्रियान्वयन से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को अभियान के तहत गांव और हितग्राही चयन का काम पूरा कर तय कार्ययोजना एवं मापदंडों के अनुसार लक्षित क्षेत्रों में विकास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान जनजातीय समुदाय के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचे

मुख्यमंत्री ने अभियान की अब तक की प्रारंभिक प्रगति एवं केन्द्र सरकार को अभियान के संदर्भ में भेजे गये विकास प्रस्तावों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों, बसाहटों, मजरों टोलों में जरूरत वाले विकास कार्यों में गति लाने ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया। केंद्र सरकार के इस अभियान से राज्य सरकार जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनजातीय वर्ग के लिए संचालित सभी योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय परिवारों के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए शासकीय सहयोग से दुधारु गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे जनजातीय वर्ग की माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। मुख्यमंत्री ने जनजातीय आबादी वाले 89 विकासखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 31 मार्च 2025 तक सर्वे का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बेहतर मार्केटिंग के लिए शुरू करें ई-कॉमर्स सुविधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों को पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और बैठक जैसे आयोजन के लिए गांव-गांव में सामुदायिक भवन उपलब्ध कराए जाएं। यहां होने वाले आयोजनों से जनजातीय संस्कृति समृद्ध रहेगी। उन्होंने जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश के चयनित 11 हजार 377 जनजातीय ग्रामों में रहने वाले लोगों द्वारा उगाई जाने वाली रागी, कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खरीदारी शासन स्तर पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज के विक्रय के लिए प्रदेश में विशेष मण्डियां शुरू की जाएं जिससे गांव के लोगों को उनकी फसल का उचित दाम मिले और बिचौलियों का नेटवर्क खत्म हो।

पोषण वाटिका की स्थापना

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया रोग के पीड़ितों को चिन्हित कर उनके उपचार की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत बालाघाट और मण्डला जिले में पोषण वाटिकाएं प्राथमिकता से स्थापित करने के निर्देश दिए।

भारतीय संस्कृति पर केन्द्रित फिल्में आज भी हैं सम-सामयिक - मुख्यमंत्री

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन स्थित कालिदास अकादमी परिसर में विक्रमोत्सव-2025 के अंतर्गत आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर फिल्म फेस्टिवल में विभिन्न देशों से आए राजनयिकों के साथ भेंट की। उन्होंने लेखक सीमा कपूर की आत्मकथा 'युं गुजरी है अब तलक' का विमोचन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रमोत्सव में धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के आयाम जुड़ रहे हैं। भारतीय संस्कृति की यह विशेषता रही है कि यहां के लोगों ने हर प्रकार की चुनौतियों और विषम परिस्थितियों में अपने आप को दृढ़ रखा है और पूरे विश्व के सामने एक मिसाल पेश की है। भारतीय संस्कृति पर केन्द्रित फिल्म फेस्टिवल हमारी कला और संस्कृति को पूरे विश्व के समक्ष प्रस्तुत करता है। इस फेस्टिवल में अतीत की कालजयी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया है। चलित हिंदी फिल्मों की यात्रा दादा साहब फालके द्वारा निर्देशित फिल्म राजा हरिश्चंद्र से होती है।

विक्रमादित्य के स्वर्णिम काल को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति पर आधारित फिल्में आज भी सम-सामयिक हैं। आने वाले समय में और भव्य स्तर पर इस प्रकार के आयोजन किए जाने चाहिए। विक्रम महोत्सव से हम सम्राट विक्रमादित्य के स्वर्णिम काल को याद करते हैं। सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य और फिल्मों के माध्यम से पूरे विश्व में उनकी न्यायप्रियता और उनके सुशासन का संदेश जाता है।

भारत-भूमि की सनातन संस्कृति में जन्म होना हमारा सौभाग्य - मुख्यमंत्री

आगर मालवा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुसनेर के सालरिया स्थित गौ-अभयारण्य में एक वर्षीय वेदलक्षणा महा-महोत्सव अन्तर्गत गौ-कथा उपसंहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत-भूमि की सनातन संस्कृति में जन्म होना हमारा सौभाग्य है। मेरा परम सौभाग्य है कि प्रदेश के सबसे बड़े गौ-अभयारण्य में जन्मदिन पर साधु-संतों एवं गौ-माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। ये हमारी संस्कृति को न केवल पुष्पित-पल्लवित करते हैं, बल्कि हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने सालरिया में गौ-माताओं को शुद्ध घी से बने 6100 लड्डुओं का भोग लगाया। उन्होंने सालरिया में 58 करोड़ 93 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने 186 स्व-सहायता समूहों को 6 करोड़ 12 लाख रुपये का बैंक ऋण वितरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा गौ-माता अपने आंचल से हमको जीवन देती है, यह प्रकृति के समान हमको जीना सिखाती है। उन्होंने कहा कि जो गाय पालते हैं, वे सभी गोपाल हैं। जिन घरों में गाय का कुल है, वह गोकुल है। हमें हर घर को गोकुल बनाना है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में कोई विवाद न हो, जहां हर घर में गौ-माता हों, ऐसे गाँव को हम वृंदावन बनाएंगे।

विक्रम महोत्सव के अंतर्गत

नई दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल को होंगे विशेष आयोजन

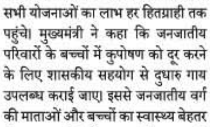

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले विक्रमादित्य ध्वज और पुस्तिका 'भारत का नव वर्ष विक्रम सम्वत्' का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रदेश में 30 मार्च को गुड़ी पड़वा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, मंत्रिगण गुड़ी पड़वा पर उनके जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता करें। विक्रम महोत्सव के अंतर्गत नई दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल को विशेष आयोजन होने जा रहे हैं जिसमें सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति भी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और शासन व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित महान महानाट्य की प्रस्तुति प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी की जाएगी। इसके साथ ही सेक्टरवार होने वाली इन्वेस्टर्स समिट तथा अन्य बड़े आयोजनों के अवसर पर भी सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति की जाए।

काल गणना पद्धति पर प्रकाश डाला

मुख्यमंत्री ने विमोचित पुस्तिका 'भारत का नव वर्ष विक्रम सम्वत्' के संबंध में बताया कि पुस्तिका में विक्रम संवत्, काल गणना की पद्धति, प्राचीन यंत्रों, वैदिक घड़ी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री ने विक्रम सम्वत् के अंतर्गत तिथियों की महत्ता, पर्व और त्योहारों के निर्धारण तथा काल गणना पद्धति पर प्रकाश डाला।

भूमिपूजन का क्रम जारी रहेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश प्रस्तावों को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए गतिविधियां जारी हैं। इस क्रम में 21 मार्च को ग्वालियर क्षेत्र में 18 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन किया गया, जिनमें 11 मुरैना, सात ग्वालियर और एक इकाई का भिंड में भूमिपूजन संपन्न हुआ। इसी क्रम में उज्जैन संभाग की 25 इकाइयों का भूमिपूजन हुआ। जिसमें उज्जैन की 13 और संभाग के अन्य स्थानों की 12 इकाइयां शामिल हैं। संभागवार यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

22 मार्च

निवेशक अब अपने शेयर और म्यूचुअल फंड डिजीलॉकर में रख सकेंगे

● निवेशक आगामी एक अप्रैल से अपने शेयर और म्यूचुअल फंड डिजीलॉकर में सुरक्षित रख सकेंगे। नॉमिनी को भी डिजीलॉकर में जोड़ा जा सकेगा। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिजिलॉकर के साथ साझेदारी कर ली है जिससे यह संभव हुआ है। इस पहल का उद्देश्य निवेशकों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में बिना दावे के शेयरों और अनक्लेम्ड म्यूचुअल फंड में कमी लाना है। नॉमिनी निवेशक की मृत्यु के बाद अपनी पहचान सत्यापित करके डिजीलॉकर में मौजूद संबंधी की सभी डिजिटल जानकारियों तक पहुंच प्राप्त कर सकेगा।

● डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के पहले दस महीनों (अप्रैल-जनवरी) में ऑनलाइन ठगी से कुल 4,245 करोड़ रुपये की हानि हुई। इस दौरान 24 लाख से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। यह आंकड़ा वर्ष 2022-23 के 2,537 करोड़ रुपये की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। उस वर्ष 20 लाख मामले सामने आए थे। वहीं वर्ष 2023-24 में 28 लाख मामलों में कुल 4,403 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी दर्ज की गई थी। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए सेंट्रल पेमेंट्स फ्रॉड इंफॉर्मेशन रजिस्ट्री लागू की है। यह एक वेब-आधारित रिपोर्टिंग सिस्टम है, जिसमें बैंक, नॉन-बैंक प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारीकर्ता और नॉन-बैंक क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता धोखाधड़ी की घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। अब तक इस सिस्टम के जरिए 13 लाख शिकायतों के आधार पर लगभग करीब 4,386 करोड़ रुपये बचाए जा चुके हैं।

23 मार्च

बॉर्डर की निगरानी करेगा एआई रोबोट

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

(आईआईटी) गुवाहाटी के स्टार्टअप स्पैटियो रोबोटिक प्रयोगशाला ने भारतीय सीमा की निगरानी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से चलने वाला रोबोट बनाया है। ये रोबोट चुनौतीपूर्ण इलाकों में वास्तविक समय पर बिना किसी रुकावट के निगरानी कर सकते हैं। इस रोबोट को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मान्यता मिल चुकी है और संवेदनशील क्षेत्रों में संभावित तैनाती के लिए भारतीय सेना द्वारा इनका क्षेत्रीय परीक्षण किया जा रहा है।

● उत्तराखंड में उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने जा रहे हैं। दो मई को मंदिर के कपाट खुलेंगे। उत्तराखंड में इस वर्ष चार धाम यात्रा 30 अप्रैल से शुरू हो रही है। इस बार सोशल मीडिया पर वीडियो और रील बनाने वालों के लिए खास नियम बनाए गए हैं। अभी तक चार धाम यात्रा के लिए 9 लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए कई इंतजाम किए गए हैं।

24 मार्च

केंद्र सरकार ने चीन के उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया

● केंद्र सरकार ने पांच चीनी उत्पादों-सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड

फ्लास्क, एल्युमिनियम फॉइल, ट्राइक्लोरो आइसोस्यान्यूरिक एसिड और पॉली विनाइल क्लोराइड पेस्ट रेजिन पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया। यह कदम घरेलू उद्योगों को सस्ते चीनी आयात से बचाने के लिए उठाया गया है। यह शुल्क पांच वर्ष तक प्रभावी रहेगा। यह कार्रवाई वाणिज्य मंत्रालय की जांच एजेंसी व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों के आधार पर की गई है। उल्लेखनीय है कि चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों और उनके अभिभावकों को चेताया है कि वे दाखिला लेने से पहले संबंधित कॉलेज और यूनिवर्सिटी की जानकारी प्राप्त कर लें। वे यह सुनिश्चित करें कि वे स्टेट या सेंट्रल एक्ट के तहत स्थापित हैं या नहीं। साथ ही, यह भी देखें कि वे यूजीसी एक्ट के तहत डिग्री दे रहे हैं या नहीं। यूजीसी ने यह भी कहा है कि यह तथ्य संज्ञान में आया है कि कई संस्थान यूजीसी अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत डिग्री प्रदान कर रहे हैं। ऐसे विश्वविद्यालयों या संस्थानों द्वारा प्रदान की गई डिग्रियां न तो मान्यता प्राप्त होंगी और न ही उच्च शिक्षा और रोज़गार के उद्देश्यों के लिए वैध मानी जाएंगी। सभी संबंधित छात्र किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों और फर्जी संस्थानों की जानकारी अवश्य जांच लें। इसके अतिरिक्त, यदि कोई विश्वविद्यालय/संस्था न यूजीसी अधिनियम के विरुद्ध शैक्षणिक कार्यक्रम चला रहा है, तो इसकी जानकारी यूजीसी को ugcampc@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से भेजी जा सकती है।

25 मार्च

एआई 'अप्पू' भारत में बच्चों को करेगा प्रशिक्षित

● रॉकेट लर्निंग ने एआई-आधारित ऑनलाइन ट्यूटर मंच 'अप्पू' पेश किया है।

यह भारत में तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए संवादात्मक और व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान करेगा। इसी के साथ यह बच्चों के लिए बहुभाषी शिक्षण भी प्रदान करेगा जिसे शुरुआत में हिंदी में पेश किया जाएगा। बाद में इसे मराठी और पंजाबी सहित 20 अतिरिक्त भाषाओं में भी लाया जाएगा। रॉकेट लर्निंग के सह-संस्थापक विशाल सुनील ने बताया कि छह साल की उम्र तक 85 प्रतिशत मस्तिष्क विकसित हो जाता है। इसलिए बचपन में मिली शिक्षा मानव जीवन में महत्वपूर्ण होती है। 'अप्पू' को भारत के लोगों के आईक्यू को बढ़ाने और कृत्रिम मेधा के विभाजन को पाटने के लिए तैयार किया गया है।

● अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन के बिजली और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को अमेरिका को सौंपने की पेशकश की है। उनका दावा है कि इससे यूक्रेन को रूसी हमलों से 'बेहतर सुरक्षा' मिलेगी। इसके साथ ही अमेरिका की एनर्जी टेक्नोलॉजी से यूक्रेन को फायदा होगा। यूक्रेन में चार प्रमुख परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में कुल 15 रिएक्टर हैं, जिनमें से सबसे बड़ा जापोरिज्जिया संयंत्र वर्ष 2022 से रूसी नियंत्रण में है। रूस के हमलों के कारण यूक्रेन की बिजली उत्पादन क्षमता वर्ष 2022 की तुलना में कम हुई है। ट्रम्प इससे पहले यूक्रेन में पाए जाने वाले दुर्लभ खनिजों को अमेरिका को सौंपने की बात कह चुके हैं। इस बीच यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारी यूक्रेन युद्ध के मसले पर चर्चा करने के लिए मिलने वाले हैं। यह मुलाकात सऊदी अरब के रियाद में प्रस्तावित है।

26 मार्च

गुजरात में खुलेगी देश की पहली सहकारी यूनिवर्सिटी

● लोकसभा ने गुजरात के आणंद में देश की पहली सहकारी यूनिवर्सिटी स्थापित

करने के लिए विधेयक पारित किया। यहां सहकारी समितियों के लिए योग्य कर्मी तैयार किए जाएंगे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि यूनिवर्सिटी का नाम त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल के नाम पर रखा गया है। वे भारत में सहकारी आंदोलन के अग्रदूतों में से एक थे। उन्होंने अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्री शाह ने यह भी बताया कि सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए सहकारी बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी। ओला-उबर की तर्ज पर सहकार टैक्सी स्थापित की जाएगी, जो वाहनों का पंजीकरण करेगी।

● वाहनों के शोर का घातक असर इंसानों पर ही नहीं पक्षियों पर भी पड़ रहा है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि सड़क पर ज्यादा ट्रैफिक का शोर पक्षियों को भी गुस्सैल बना रहा है। यह शोध अंग्लिया रस्किन यूनिवर्सिटी और विएना यूनिवर्सिटी के कोनराड लॉरेंज रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं ने गैलापागोस द्वीप पर किया।

27 मार्च

नक्सली हिंसा में 81 प्रतिशत की कमी हुई

● देश में नक्सली हिंसा कम हुई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा

में बताया कि देश में नक्सली हिंसा में 81 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौतें 85 प्रतिशत तक कम हुई हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में 96 जिलों में नक्सली गतिविधियां थीं, अब यह 45 जिलों तक सीमित रह गई हैं। वर्ष 2010 में नक्सली हिंसा में 1,005 मौतें हुई थी, जो वर्ष 2024 में 150 हो गईं। श्री नित्यानंद ने बताया कि भारत को 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य है।

● स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मेडिकल ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किए। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बढ़ी हुई मांग को शीघ्र पूरा करने के लिए चिकित्सा ऑक्सीजन के बुनियादी ढांचे को दुरुस्त बनाए रखने और इसके उपयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के प्रबंधन से सीख लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मेडिकल ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी करना देश के मेडिकल ऑक्सीजन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह व्यापक दिशा-निर्देश रोगी सुरक्षा, क्षमता निर्माण और आपातकालीन तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मेडिकल ऑक्सीजन की कुशल खरीद, भंडारण और प्रशासन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य देश भर में लगभग 200 विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। इस प्रशिक्षण के बाद वे देश भर के अस्पताल प्रशासकों और चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता निर्माण का कार्य करेंगे, ताकि मेडिकल ऑक्सीजन के उचित संचालन और उपयोग, अपव्यय को कम करने और नैदानिक परिणामों में सुधार किया जा सके।

28 मार्च

पश्चिमी अंटार्कटिका में बर्फ तेजी से पिघल रही

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर और अन्य वैश्विक

वैज्ञानिकों के शोध में पाया गया कि 20 वर्षों से पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रही है। प्रो. प्रणव देब के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में सैटेलाइट डेटा और जलवायु मॉडल का उपयोग किया गया। शोध में बताया गया कि वायुमंडल में बढ़ती गर्मी की वजह से बर्फ की परत गलकर कमजोर हो रही है। इससे समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा है। इस वजह से तटीय क्षेत्रों के डूबने की आशंका है।

● अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोहराया है कि जल्द ही ग्रीनलैंड अमेरिका के कब्जे में होगा। ट्रम्प ने कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी अधिकार अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए जरूरी है। ट्रम्प ग्रीनलैंड पर इसलिए नियंत्रण चाहते हैं क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड का बड़ा हिस्सा आर्कटिक सर्कल में आता है, जो प्राकृतिक संसाधनों और ग्लोबल ट्रेड रूट के कारण अहम बन चुका है। इसके साथ ही ग्रीनलैंड में अमेरिका का पिटुफिक स्पेस बेस है, जो मिसाइल डिफेंस और अंतरिक्ष निगरानी के लिए अहम है। ग्रीनलैंड में 13 प्रतिशत अज्ञात तेल और 30 प्रतिशत अज्ञात प्राकृतिक गैस भंडार भी है। जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ पिघलने से ग्रीनलैंड के समुद्र तटों से खनिज खनन और व्यापारिक मार्गों का विस्तार आसान हो सकता है। इस कारण भी ट्रम्प अब ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण चाहते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

ROSHAN COLLEGE OF EDUCATION, DHAR (M.P.)

Run by: Noble Education Society
(Recognised by NCTE New Delhi Approved M.P. Govt. &
Affiliated to Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore)
Address:- 132, Prakash Nagar, Dhar (M.P.)
Gmail:- roshan.education@gmail.com
Under University Code -28

REQUIRED
For B.Ed. Course

01	Principal/HOD	01 Post
02	Perspectives in Education	04 Post
03	Pedagogy subjects (Maths, Science, So. Science, Language)	08 Post
04	Health And Physical Education	01 Post
05	Fine Arts	01 Post
06	Performing arts (Music/Dance/Theatre	01 Post

Qualification: As per NCTE Norms, Salary: As per NCTE & UGC Norms Apply
Within 08 Days to College Address & Email ID Contact: 94250-46150, 77460-46150

R-50740/2025

वर्ष 42, अंक 14 31.03.2025 से 06.04.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रदेश की जनता के खुशहाल जीवन और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहल

मध्यप्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं का केन्द्र बन गया है। स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभागों के एक साथ आ जाने से स्वास्थ्य सेवाएं मिलना और ज्यादा आसान हो गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों से अब नागरिकों के स्वास्थ्य को विकास का पैमाना बनाया गया है। 'विकसित भारत' के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर जो कदम उठाए हैं उनसे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना आसान हुआ है और इसके परिणाम भी मिलने लगे हैं। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश की जनता के बेहतर स्वास्थ्य के लिये प्रतिबद्ध है। जनता के कल्याण और खुशहाल जीवन के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाये गये जागरूकता अभियानों का परिणाम है कि अब प्रदेश में स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार दिया जा रहा है। विगत दिनों मुरैना जिले के चंबल में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं सम्मिलित हुए और स्थानीय लोगों द्वारा की गई वृहद व्यवस्थाओं को देख उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि राज्य सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है। इसका लाभ सभी जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा मध्यप्रदेश के नागरिकों के लिए एक अनूठी पहल है। आपात स्थिति में विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा मिलना आसान हो जायेगी। चिकित्सा विशेषज्ञों की पहुंच भी कठिन भौगोलिक क्षेत्र में हो सकेगी। मरीजों को उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किया जा सकेगा। मुरैना में चल रहे शिविर में उपचार के लिये बेहतर प्रबंध किये गये हैं। चम्बल क्षेत्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 5 हजार से अधिक मरीजों की समुचित रूप से स्क्रीनिंग की गयी है। स्क्रीनिंग के बाद विभिन्न वर्गों में विभाजित कर मरीजों के उपचार की व्यवस्था करना बड़ी बात है। प्रदेश में अस्पताल प्रबंधन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा के रूप में दो भागों में विभाजित था। अब दोनों विभागों का एकीकरण कर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा बनाया है। इससे अस्पताल प्रबंधन आसान हुआ है प्रदेश में बेहतर मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों का निर्माण कर नागरिकों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास है। सरकार द्वारा नागरिकों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

पहले चंबल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी अच्छी नहीं थीं। मुरैना, श्योपुर एवं भिण्ड जिले को मिलाकर जहाँ 100 बिस्तरों की उपलब्धता थी, वहां अब 600 बिस्तर का अस्पताल मौजूद है। क्षेत्र की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के सदैव प्रयास किये जाते रहे हैं। गंभीर स्थिति में रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिये अन्यत्र ले जाने में आमजन की असमर्थता के कारण क्षेत्र में वर्ष 2017 में भी जिला प्रशासन की मदद से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

अभी तक इस मिशन के चलते सेवा भाव से 40 हजार से ज्यादा सर्जरी एवं लाखों ओपीडी की सेवाएं दी जा चुकी हैं। जहां भी रोटरी मिशन का आयोजन किया जाता है, वहां ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस मिशन से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाता है। आगे महिलाओं में सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज निःशुल्क करवाया जा सके। वृहद स्वास्थ्य शिविर मुरैना में 26 मार्च से 2 अप्रैल 2025 तक लगाया गया है। शिविर में ओपीडी, खून की जांच, बीपी शुगर, ईसीजी, आयुष्मान का काउन्टर एवं दवा वितरण किया जा रहा है। शिविर में कार्डियोलॉजी, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन, न्यूरोसर्जरी, फिजियोथेरेपी सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। ऑनलाइन मरीजों के पंजीयन किये जा रहे हैं।

नेचर एस्ट्रोनॉमी के अनुसार महाविस्फोट के 20 करोड़ वर्ष बाद हुआ पानी का निर्माण

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में शोध से जुड़े कार्य समय-समय पर होते रहते हैं। यही कारण है कि जो लोग विज्ञान में रुचि रखते हैं वे समय-समय पर ब्रह्मांड में होने वाले इन शोध कार्यों को लेकर हमेशा सक्रिय रहते हैं। पिछले दिनों नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित हुए एक रिसर्च जर्नल में इस बात की जानकारी को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया कि ब्रह्मांड में पानी का निर्माण कब और कैसे हुआ। अमेरिका के शोधार्थियों के एक समूह ने इस पूरी प्रक्रिया को अपने शोध से हल करने का प्रयास किया। शोधार्थियों की रिपोर्ट के अनुसार हम सब जानते हैं कि पानी जीवन की ब्रह्मांडीय उत्पत्ति के लिए अहम माना जाता है। कुछ समय पहले कुछ मॉडलों ने यह प्रदर्शित करने का प्रयास किया कि पानी धातुओं के मिश्रण से बनी गैसों से बना हो सकता है। रिसर्च के अनुसार महाविस्फोट के 10 से 20 करोड़ साल बाद पानी का निर्माण हुआ होगा। शोधकर्ताओं के अनुसार ब्रह्मांड में पानी का निर्माण पहले से सोचे गए समय से भी पहले हुआ होगा और यह पहली आकाशगंगाओं का एक प्रमुख हिस्सा हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने दो सुपरनोवा के कम्प्यूटर मॉडल का उपयोग किया, पहला सूर्य के द्रव्यमान से 13 गुना बड़े तारे के लिए और दूसरा सूर्य के द्रव्यमान से 200 गुना बड़े तारे के लिए किया। शोधकर्ताओं ने इन विस्फोटों के उत्पादों का विश्लेषण किया। इसमें उन्होंने पाया कि पहले और दूसरे सिमुलेशन में क्रमशः 0.051 और 55 सौर द्रव्यमान (जहां एक सौर द्रव्यमान हमारे सूर्य का द्रव्यमान है) ऑक्सीजन का निर्माण हुआ, जो बहुत अधिक तापमान और घनत्व तक पहुंचने के कारण हुआ। यही नहीं जब यह गैसीय ऑक्सीजन ठंडी हुई और सुपरनोवा द्वारा छोड़े गए आस-पास के हाइड्रोजन के साथ मिली, तो पदार्थ के बचे हुए घने गुच्छों में पानी का निर्माण हुआ। ये गुच्छे हो सकता है दूसरी पीढ़ी के तारों और ग्रहों के निर्माण के स्थल थे। रिसर्च के अनुसार यदि पानी प्रथम आकाशगंगाओं के निर्माण के दौरान बच गया, तो यह अरबों साल पहले ग्रहों के निर्माण में भी शामिल हो सकता था।

- विकास तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश और युवाओं के लिए रोज़गार के खुलेंगे नये द्वार

ग्वालियर और उज्जैन संभाग में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये भूमिपूजन

युवाओं के सशक्तिकरण और मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिये राज्य सरकार ने अब एक बड़ी छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो संभागों- ग्वालियर और उज्जैन में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये भूमिपूजन किया। इनमें 18 इकाइयां ग्वालियर संभाग में और 26 इकाइयां उज्जैन संभाग में स्थापित होंगी।

मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रांत है। यदि हृदय स्वस्थ्य है तो पूरा शरीर स्वस्थ और सक्रिय होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत को विश्व में सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। राष्ट्र की समृद्धि के लिये प्रत्येक प्रांत का समृद्ध होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपना कार्यभार संभालने के पहले दिन से इसी सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। वे मध्यप्रदेश को देश के विकसित प्रांतों में अग्रणी बनाना चाहते हैं। गरीब, किसान, महिला और युवा इस प्रगति के आधार स्तंभ हैं। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार ने इन चारों स्तंभों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिये अनेक आयोजनाएं आरंभ की हैं। इसमें युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। यदि युवा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं तो ही उसकी प्रतिभा का लाभ परिवार और समाज को मिलता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिये रोज़गार आवश्यक है। रोज़गार के लिये सरकारी नौकरी अपने स्थान पर महत्वपूर्ण है। लेकिन इसके साथ सकारात्मक क्षमता, प्रतिभा, कौशल के अनुरूप कार्य हो तो इससे न केवल युवा स्वयं समृद्ध होता है अपितु वह देश के विकास के लिये महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। प्रत्येक युवा की अपनी विशेषता होती है। युवाओं की विशेषता को सृजनात्मक स्वरूप में निखारने के लिये उसकी रुचि, मौलिक प्रतिभा और कौशल के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इसके लिये शिक्षण, प्रशिक्षण के साथ स्वरोज़गार के अवसर भी आवश्यक हैं। स्वरोज़गार और स्व उद्यम से ही व्यक्तित्व उभरता है। आज संसार के प्रत्येक बड़े उद्यमी का आरंभ शून्य और स्वरोज़गार से ही हुआ है। इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के औद्योगिक विकास का अभियान चलाया हुआ है। इन औद्योगिक इकाइयों से मध्यप्रदेश भी एक समृद्ध प्रदेश बनेगा और युवाओं को भी रोज़गार के अवसर मिलेंगे। ये अवसर दोनों प्रकार के होंगे। एक तो इन औद्योगिक संस्थानों से युवाओं को सीधा रोज़गार या नौकरी मिलेगी और दूसरा उस बड़ी इकाई के लिये अपना कोई सहायक उद्योग स्थापित करने और उस बड़ी इकाई के लिये कच्चा माल सप्लाई करने का अवसर भी मिलेगा। स्थानीय युवाओं को अपनी छोटी, मध्यम या बड़ी इकाई स्थापित करने के लिये सरकार ने अपने बजट में अनेक प्रकार के प्रावधान भी किये हैं। यह प्रावधान नगरीय क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र तक के लिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, डेयरी, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन में भी अनुदान एवं आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिये बहु आयामी कार्यों में एक ओर सरकारी भर्ती का कैलेण्डर जारी किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास है कि वर्ष 2025 में इस कैलेण्डर के माध्यम से कम से कम एक लाख से अधिक युवाओं को शासकीय अथवा अर्धशासकीय कार्यालयों में भर्ती का अवसर मिल सके। इसके लिये अनेक विभागों ने भर्ती प्रक्रिया आरंभ कर दी है। मध्यप्रदेश सरकार के इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करने के अभियान से भी युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल के अनुरूप रोज़गार के अवसर मिलेंगे। मध्यप्रदेश इन्वेस्टर्स समिट तीनों प्रकार की आयोजित की गई। ग्लोबल, नेशनल और रीजनल स्तर पर भी उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर आदि स्थानों में इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये। इनके माध्यम से मध्यप्रदेश में तीस लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले और करार पर हस्ताक्षर भी हुये। इन समिट के माध्यम से निवेश आमंत्रित करने में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। इन निवेश करारों के माध्यम से मध्यप्रदेश के 21.40 लाख युवाओं को रोज़गार के अवसर मिलेंगे। निवेश के करार शीघ्र आकार लें इसके लिये भी मध्यप्रदेश सरकार मॉनिटरिंग कर रही है। सरकार का प्रयास है कि निवेश के इन अनुबंधों के अनुरूप समय-सीमा में ही औद्योगिक इकाइयां स्थापित हों। निवेश करारों को जमीन पर उतारने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी मार्च माह में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये भूमिपूजन किया। इनमें अठारह इकाइयों के लिये ग्वालियर चंबल संभाग में और 26 इकाइयों की स्थापना के लिये उज्जैन संभाग में भूमिपूजन किया।

ग्वालियर-चंबल संभाग में भूमिपूजन

मध्यकाल के आक्रमणों और समय के उतार चढ़ाव के चलते आज ग्वालियर-चंबल का स्वरूप कुछ अलग है लेकिन इतिहास में इस क्षेत्र की समृद्धि का विस्तृत वर्णन मिलता है। मध्यप्रदेश सरकार ने ग्वालियर चंबल संभाग को पुनः समृद्धि की दिशा में बढ़ाने का काम आरंभ किया है। इस संभाग के औद्योगिकीकरण के लिये रीजनल इन्वेस्टर्स समिट ग्वालियर में आयोजित की गई। निवेश के जो अनुबंध हुये वे अब जमीन पर आकार लेने लगे हैं। इसकी पहली कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 21 मार्च को 18 नए उद्योगों की स्थापना के लिये भूमिपूजन किया। इस क्षेत्र में एक बड़ी प्लाईवुड इकाई भिण्ड जिले के मालनपुर में स्थापित होने जा रही है। अत्याधुनिक तकनीक से स्थापित होने वाली यह प्लाईवुड फैक्ट्री 'एलिक्सर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा लगाई जा रही है। यह एलिक्सर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड संस्थान अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। यह एक प्रकार से कुछ अनुभवी उद्योगपतियों का समूह है। इनके अनुभव का लाभ भी मध्यप्रदेश और युवाओं को मिलेगा। यह संस्थान मालनपुर में अत्याधुनिक मेगा-विनिर्माण इकाई स्थापित करने जा रहा है। इस यूनिट में मीडियम डेंसिटी फाइबर बोर्ड (एमडीएफ), प्लाईवुड और अन्य उत्पादों का निर्माण होगा। मेगा स्तरीय अत्याधुनिक इस इकाई के उत्पाद न केवल प्रदेश और देश की आवश्यकता की पूर्ति करेंगे अपितु इससे निर्यात की संभावना भी है। इस इकाई से दोनों उद्देश्य पूरे होंगे। मध्यप्रदेश अपनी समृद्धि की ओर कदम बढ़ायेगा और दूसरा युवाओं को रोज़गार के नये अवसर भी उपलब्ध होंगे। इस यूनिट के लिये सहायक उद्योगों और रॉ मेटेरियल की आवश्यकता भी होगी। इन दोनों कार्यों में युवाओं की प्रतिभा और कौशल का उपयोग होगा और स्वरोज़गार के अवसर भी मिलेंगे।

उज्जैन संभाग में 26 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन और लोकार्पण

भारतीय इतिहास में उज्जैन का विशेष महत्व रहा है। सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता के साथ समृद्धि की दृष्टि से भी उज्जैन का उल्लेख मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के वैभव को पुनर्प्रतिष्ठित करने का अभियान आरंभ किया है। एक ओर यदि श्रीकृष्ण पाथेय, महाकाल लोक का विस्तार, सांस्कृतिक समागम, सम्राट विक्रमादित्य की रीति नीति पर शोध के कार्य आरंभ किये हैं तो दूसरी ओर पूरे उज्जैन संभाग के औद्योगिक विकास की रूपरेखा भी तैयार की है। यह कार्य चार चरणों में हुआ। सबसे पहले संपूर्ण उज्जैन संभाग का सर्वे किया गया। इसमें कच्चे माल, प्राकृतिक संसाधनों, कृषि उपज, भूमि की उपलब्धता तथा युवाओं की रुचि आदि विषयों पर आकलन किया गया। इसके बाद अधिकारी स्तर की बैठकें हुईं जिनमें स्थानों और विशिष्ट औद्योगिक इकाई की प्राथमिकता सूची तैयार हुई। इसके बाद इच्छुक उद्योगपतियों से निवेश के लिये चर्चा की गई। इसके बाद इन्वेस्टर्स समिट के प्रारूप बने और निवेश के लिये अनुबंध हुये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव समिट का आयोजन उज्जैन में भी हुआ। उज्जैन के औद्योगिक विकास के लिये यह रोडमैप पांच साल के लिये तैयार हुआ है। इन उद्योगों से हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोज़गार मिलेगा। जबकि इससे कई गुना परोक्ष रोज़गार भी मिलेगा। इसमें कच्चे माल की सप्लाई के लिये छोटी इकाइयां, आवश्यक कृषि उत्पाद का विकास भी होगा। उज्जैन के विकसित औद्योगिक स्वरूप को आकार देने और विभिन्न इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में हुये करारों को जमीन पर उतारने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 मार्च को 26 औद्योगिक इकाइयों के निर्माण के लिये भूमिपूजन किया गया। इन इकाइयों में छोटी बड़ी एवं मध्यम तीनों प्रकार की औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं। इन इकाइयों में कुल 1127 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इनके माध्यम से 5046 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोज़गार मिलेगा। इन इकाइयों से परोक्ष रोज़गार मिलेगा वह अलग है। इन इकाइयों में ऑटोपार्ट्स, केमिकल, इंजीनियरिंग, फैब्रिकेशन, फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, पेपर प्रॉडक्ट, फार्मा, प्लास्टिक, प्रिंटिंग, स्टील, टेक्सटाइल उद्योग आदि हैं। मध्यप्रदेश में संपन्न विभिन्न इन्वेस्टर्स समिट में उज्जैन संभाग के लिए विभिन्न निवेश प्रस्ताव आये हैं। इनमें कुछ प्रस्तावों पर अनुबंध की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रयास है कि इस वर्ष के समापन तक अधिकतर इकाइयों के निर्माण का काम आरंभ हो सके।

रमेश शर्मा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड

(एनएफएल, ईआईएल एवं एफसीआईएल का एक संयुक्त उद्यम)
कार्पोरेट कार्यालय : चौथा तल, विंग-ए, कृभको भवन, सेक्टर-1
नोएडा-201301 (उ.प्र.), फोन : +91-120-2553643, 2553631

विज्ञापन संख्या : भर्ती/01/2025 दिनांक: 12.03.2025

अनुभवी अधिकारियों की भर्ती

रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल), जो एनएफएल, ईआईएल और एफसीआईएल का संयुक्त उद्यम है, के रामागुण्डम, तेलंगाना में स्थित संयंत्र और कॉर्पोरेट कार्यालय, नोएडा में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए पात्र इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	पद एवं स्तर	रिक्तियां						दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित	पीडब्ल्यूबीडी संवर्गों के लिए चिह्नित पद	आवश्यक/अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 60% अंकों के साथ सीए/सीएमए को छोड़कर	योग्यता के पश्चात न्यूनतम आवश्यक अनुभव
		अना.	अजा	अजजा	अपिव (एनसीएल)	ईडब्ल्यूएस	योग				
केमिकल											
1	इंजीनियर (ई–1)	02	01	01 (बैकलॉग)	01 (बैकलॉग)	-	05		बी) एचएच सी) ओए, ओएल, सीपी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) शामिल हैं	बी.ई./बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग) केमिकल इंजीनियरिंग/ टेक्नोलॉजी बीओई (बॉयलर ऑपरेशन इंजीनियर) प्रमाणपत्र धारक उम्मीदवारों को वरीयता दी जा सकती है।	निम्नलिखित निरंतर परिचालित संयंत्रों में से किसी एक की प्रक्रिया संचालन के प्रबंधन, समस्या निवारण में व्यावहारिक अनुभवः • केवल राज्य/केंद्र सरकार के उपक्रम और/या निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान के अमोनिया और यूरिया संयंत्र अथवा पेट्रोकेमिकल संयंत्र अथवा पेट्रोलियम रिफाइनरी। उम्मीदवार को डीसीएस नियंत्रण प्रणाली की जानकारी होनी चाहिए।
2	वरिष्ठ प्रबंधक (ई–5)	01	-	-	01 (बैकलॉग)	-	02				
3	मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	-	-	01				
4	उप महाप्रबंधक (ई–7)	01	-	-	-	-	01				
मैकेनिकल											
5	इंजीनियर (ई–1)	01	-	-	-	01	02	01 (कैटे. सी) (बैकलॉग)	बी) डी, एचएच सी) ओए, ओएल, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) शामिल हैं	बी.ई./बी.टेक./बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/ मैकेनिकल इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में।	निम्नलिखित निरंतर संचालन संयंत्रों में से किसी में रोटेटिंग मशीन, स्टेटिक उपकरण, पाइपिंग नेटवर्क आदि के रखरखाव और समस्या निवारण में व्यावहारिक अनुभव : • केवल राज्य/केंद्र सरकार के उपक्रम तथा/अथवा निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान के अमोनिया और यूरिया संयंत्र या पेट्रोकेमिकल संयंत्र या पेट्रोलियम रिफाइनरी। उम्मीदवार को नवीनतम रखरखाव प्रथाओं, रखरखाव अनुबंधों की व्यवस्था, पुर्जों की खरीद, बजट आदि की जानकारी होनी चाहिए और कंप्यूटर साक्षर होना चाहिए। **गैस टर्बाइन आधारित पावर प्लांट के संचालन/रखरखाव में विशिष्ट अनुभव रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।**
6	प्रबंधक (ई–4)	-	01 (बैकलॉग)	-	-	-	01				
7	वरिष्ठ प्रबंधक (ई–5)	01	-	-	-	-	01				
8	मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	-	-	01				
9	उप महाप्रबंधक (ई–7)	01	-	-	-	-	01				
इलेक्ट्रिकल											
10	इंजीनियर (ई–1)	01	01	-	-	-	02		बी) डी, एचएच सी) ओएल, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) तक में शामिल है	बी.ई./बी.टेक./बी.एससी. (इंजी.) इलेक्ट्रिकल अथवा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में	निम्नलिखित निरंतर परिचालन संयंत्रों में से किसी में एचटी और एलटी बिजली वितरण प्रणाली, एचटी सिंक्रोनस और इंडक्शन मोटर्स, बड़े ट्रांसफार्मर, सुरक्षा प्रणाली आदि के रखरखाव और समस्या निवारण में व्यावहारिक अनुभव : • केवल राज्य/केंद्र सरकार के उपक्रम और/या निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान के अमोनिया और यूरिया संयंत्र अथवा पेट्रोकेमिकल संयंत्र अथवा पेट्रोलियम रिफाइनरी। **वांछनीय :** 1. नवीनतम रखरखाव प्रथाओं, रखरखाव अनुबंधों की व्यवस्था, पुर्जों की खरीद, बजट आदि की जानकारी। 2. 220 केवी स्विचयार्ड का परिचालन अनुभव, 220 केवी प्रणाली के लिए क्लास ए पर्यवेक्षक लाइसेंस। 3. विभिन्न लोड शेडिंग सिस्टम, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम (ईसीएस), ऊर्जा प्रबंधन, एससीएडीए और पीएलसी की जानकारी। 4. सुरक्षा रिले, जेनरेटर सुरक्षा रिले, स्वचालित वोल्टेज नियामक, आधुनिक माइक्रोप्रोसेसर रिले, उनकी सेटिंग और प्रोग्रामिंग। **गैस टर्बाइन आधारित पावर प्लांट के संचालन/रखरखाव में विशिष्ट अनुभव रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।**
11	मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	-	-	01				
इंस्ट्रुमेंटेशन											
12	इंजीनियर (ई–1)	01	-	-	01	-	02		बी) डी, एचएच सी) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एएसडी (एम), एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) तक शामिल हैं	बी.ई./बी.टेक/बी.एससी. इंजी. इंस्ट्रूमेंटेशन में अथवा इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण अथवा औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन अथवा प्रक्रिया नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स और	उर्वरक/सतत प्रक्रिया रासायनिक/पेट्रो – रासायनिक उद्योग/बिजली उत्पादन में प्रक्रिया नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन में व्यावहारिक अनुभव। डीसीएस/ईएसडी सिस्टम के रखरखाव/कमीशनिंग/समस्या निवारण, स्मार्ट फील्ड उपकरणों, गैस क्रोमैटोग्राफ, विश्लेषक, इलेक्ट्रॉनिक गवर्नर, एंटी–सर्ज नियंत्रकों की प्रोग्रामिंग और अंशांकन की जानकारी होनी चाहिए।

										इलेक्ट्रिकल अथवा एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स और नियंत्रण में।	
सामग्री											
13	13 मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	01	-	02	01 (कैट सी), (बैकलॉग)	ए) एलवी बी) डी, एचएच सी) ओए, बीए, ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (ए) से (डी) तक शामिल है	इंजीनियरिंग में डिग्री (किसी भी विशेषज्ञता में) **अथवा** पूर्णकालिक नियमित एमबीए (सामग्री प्रबंधन/आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन) **अथवा** सामग्री प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा (02 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम) (यूजीसी/एआईसीटीई द्वारा एमबीए के समकक्ष मान्यता प्राप्त)।	क्रय, सूची नियंत्रण, सामग्री निरीक्षण, स्टोर–कीपिंग, सामग्री हैंडलिंग, परिवहन, पैकिंग, आयात प्रबंधन, आयात प्रतिस्थापन, मूल्य इंजीनियरिंग, स्पेयर पार्ट्स नियंत्रण जैसी सामग्री प्रबंधन गतिविधियों को निर्देशित करने, व्यवस्थित करने और नियंत्रित करने में एक जिम्मेदार पद पर व्यावहारिक अनुभव, अधिमानतः केवल राज्य/केंद्र सरकार के उपक्रमों और/या निजी क्षेत्र के संस्थान जो उर्वरक/ रसायन/पेट्रो – रसायन/ हाइड्रोकार्बन उद्योग में निरंतर संचालन में लगे हुए हैं।
14	उप महाप्रबंधक (ई–7)	01	-	-	-	-	01				
वित्त एवं लेखा											
15	मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	-	-	01		ए) बी, एलवी बी) डी, एचएच सी) ओए, बीए, ओएल, बीएल, ओएएल, बीएलओए, बीएलए, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (ए) से (सी) शामिल हैं	सीए अथवा सीएमए अथवा वित्त में विशेषज्ञता के साथ दो साल का एमबीए (दोहरी विशेषज्ञता या सामान्य एमबीए वाले उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे)	लेखांकन और वित्तीय मामलों, बजट/कराधान कार्य का व्यावहारिक अनुभव।
सिविल											
16	इंजीनियर (ई–1)	01	-	-	01	-	02		बी) डी, एचएच सी) ओए, ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) तक शामिल हैं	बी.ई./बी.टेक/बी.एससी. इंजीनियरिंग अथवा सिविल टेक्नोलॉजी	बुनियादी ढांचे, भवन, संयंत्र, बिजली संयंत्र और संबंधित गतिविधियों की सिविल परियोजनाओं में व्यावहारिक अनुभव।
17	उप प्रबंधक (ई–3)	01	-	-	-	-	01				
18	मुख्य प्रबंधक (ई–6)	01	-	-	-	-	01				
चिकित्सा											
19	चिकित्सा अधिकारी (ई–1)	01	-	-	-	-	01		सी) ओए, ओएल, बीएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (सी) से (डी) तक शामिल हैं	एमबीबीएस एमडी/एमएस डिग्री धारक उम्मीदवारों को अतिरिक्त महत्व दिया जा सकता है।	स्थायी या अस्थायी आधार पर किसी प्रतिष्ठित अस्पताल/मेडिकल कॉलेज/औद्योगिक परिसर में अस्पताल में मेडिसिन में व्यावसायिक अनुभव (इंटर्नशिप के बाद)।
20	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (ई–2)	01	-	-	-	-	01	01 (कैट सी), (बैकलॉग)			
21	उप सीएमओ (ई–3)	01	-	-	-	-	01				
22	अतिरिक्त सीएमओ (ई–4)	01	-	-	-	-	01				
23	सीएमओ (ई–5)	01	-	-	-	-	01				
सुरक्षा											
24	सहायक प्रबंधक (ई–2)	01	-	-	01 (बैकलॉग)	-	02		अ–चिह्नित	इंजीनियरिंग अथवा प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा में स्नातक की डिग्री और केंद्रीय (मुंबई में केंद्रीय श्रम संस्थान या चेन्नई, कानपुर, कोलकाता और फरीदाबाद में क्षेत्रीय श्रम संस्थान) या राज्य अधिनियमों या भारत में किसी भी राज्य सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग या राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड (एसबीटीईटी) या कनेक्ट आईटी (औद्योगिक प्रशिक्षण) सॉल्यूशंस, हैदराबाद के तहत शामिल किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई कम से कम एक वर्ष की अवधि की औद्योगिक सुरक्षा में पूर्णकालिक डिग्री या डिप्लोमा या प्रमाण पत्र। बी) तेलुगु भाषा का पर्याप्त ज्ञान अनिवार्य है।	मान्यता प्राप्त फायर स्टेशन / अमोनिया यूरिया उर्वरक परिसर/सतत प्रक्रिया रसायन /पेट्रो रसायन रिफाइनरी में व्यावहारिक अनुभव।
25	प्रबंधक (ई–4)	01	-	-	-	-	01				

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड
संभाग क्रमांक-02, भोपाल, Mobile No. : 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/233/पर्य/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक 21.03.2025

प्रेस विज्ञप्ति

''सायबर मुख्यालय परिसर भोपाल के अंतर्गत चाइल्ड फ्रेन्डली रूम का निर्माण कार्य जिला-भोपाल के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-22/2024-25 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDERNo. - 2025_MPPHC_411196_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.04.2025 समय 5.00 बजेतक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119359/2025 R-50741/2025 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री
ए-2/2, एम.आय.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र. 470/पर्य/मप्रपुआअविनि/25/ उज्जैन, दिनांक : 24.03.2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 32/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-32/2024-25 दिनांक 24.03.2025 के अंतर्गत जिला नीमच, उज्जैन एवं देवास में विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_411726, 411727, 411730, 411731 (कुल 4 निविदा) आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 08.04.2025 को 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119367/2025 R-50743/2025 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल, Mobile No. 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/245/पर्य/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक 24.03.2025

प्रेस विज्ञप्ति

''पुलिस दूरसंचार मुख्यालय श्यामला हिल्स, भोपाल के ट्रंकिंग भवन में मरम्मत कार्य, जिला-भोपाल के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-23/2024-25 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-**MPPHCL/TENDER No. - 2025_MPPHC_411876_1)** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.04.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119379/2025 R-50744/2025 **परियोजना यंत्री**

सेवा एवं शिक्षा के स्वर्णिम इतिहास के साथ 101वें वर्ष में
SHRI GUJARATI SAMAJ INDORE

Shri Gujarati Samaj B.Ed. College

(Affiliated to DAVV & Recognized by NCTE)
1, Nasia Road, Indore Phone : 0731-2702691
E-mail: gujarati_bed_college@yahoo.co.in

REQUIRED

Professor / Associate Professor / Assistant Professor

Perspectives in Education and Pedagogy Subjects
M.A / M.Sc. / M.Com + M.Ed. + Ph.D / NET

Qualifications : As per NCTE, UGC & DAVV Norms.
Salary : As per Shri Gujarati Samaj norms.
Appointment will be made under College Code-28

Application completed in all respect along with all the necessary documents and with two passport size photographs should reach to **Shri Gujarati Samaj Office / College Office within 10 days** from the date of publication of this advertisement, in Newspaper between 11:00 am to 2:00 pm. Incomplete application will not be considered.

Pankajbhai Sanghvi — Hon. General Secretary
Amitbhai Dave — Chairman - Education Board (College)
Rajeshbhai Dharmsy — Chairman - Governing Body
Dr. (Mrs.) Kiran Dammani — Principal

VIOLANCE

R-50739/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./3889/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 28.03.2025

NOTICE INVITING TENDER No. 338/MTN/2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.**
- **Table No. 1 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	2	3311124.00
2.	Bhind	1	758011.00
3.	Dewas	2	16135411.00
4.	Jabalpur	1	3300632.00
5.	Mandsaur	1	4220389.00
6.	Narmadapuram	1	4521233.00
7.	Shahdol	1	22680492.00

- **Table No. 2 : Name of Work –REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Jabalpur	1	953297.00
2	Narsinghpur	1	7311034.00
3.	Rewa	1	3899817.00
4	Sheopur	1	7238837.00

- **Table No. 3 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Narsinghpur	1	13885093.00
2	Raisen	1	3913044.00
3.	Sehore	1	3312898.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **04.04.2025 from 17:30 hrs.** and last date for Online Bid Submission is **21.04.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

MP. Madhyam/119455/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50750/2025

एम.पी. इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

क्षेत्रीय कार्यालय, टी.व्ही. टावर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर (म.प्र.)

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-एमपी आई.डी.सी./क्षे.का.ज./तक./2025/5844 **जबलपुर, दिनांक : 24.03.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptender.gov.in-MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	बयाना राशि रु. लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य की राशि	कार्यावधि
औद्योगिक क्षेत्र लमतरा, जिला कटनी में उन्नयन कार्य के अंतर्गत 5 कि.मी. नाली निर्माण तथा 02 नग हाईमास्ट का कार्य।	रु. 1.75	रु. 147750.00 जी.एस.टी. सहित	रु. 174.71 लाख	06 माह

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने, निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल **mptender.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119365/2025 R-50742/2025 **कार्यकारी संचालक**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPN. LTD.

R.O. Chambal City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com
निविदा क्रमांक 25 **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 20.03.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
औद्योगिक क्षेत्र सीतापुर जिला मुरैना में पुलिस चौकी का निर्माण कार्य।	32,69,000.00/ 65,500.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 01.04.2025 से 15.04.2025** समय 5.30 सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते है। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/119397/2025 R-50745/2025 **कार्यपालन यंत्री**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

सूचना प्रौद्योगिकी											
26	इंजीनियर (ई–1)	01	-	-	-	-	01		बी) डी, एचएच सी) ओएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी डी) एसएलडी, एमआई ई) एमडी जिसमें उपरोक्त (बी) से (डी) तक शामिल हैं	बी.टेक./बी.ई./बी.एससी. (इंजी.) कंप्यूटर विज्ञान या कंप्यूटर प्रौद्योगिकी या सूचना प्रौद्योगिकी या एमसीए में।	व्यावसायिक अनुप्रयोगों का विकास और समस्या निवारण, अधिमानतः ओरेकल डेटाबेस /एसएपी ईआरपी प्लेटफार्म या नेटवर्क प्रबंधन में। एसएपी का व्यावहारिक अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।
27	सहायक प्रबंधक (ई–2)	01	-	-	-	-	01				
28	प्रबंधक (ई–4)	01	-	-	-	-	01				
29	वरिष्ठ प्रबंधक (ई–5)	01	-	-	-	-	01				
कुल		29	03	01	06	01	40	03			

आयु सीमा : – सभी पदों के लिए न्यूनतम आयु – 18 वर्ष है। अनारक्षित संवर्ग के लिए ई–1 स्तर के लिए अधिकतम आयु 30 वर्ष, ई–2 और ई–3 स्तर के लिए 40 वर्ष, ई–4 और ई–5 स्तर के लिए 45 वर्ष और ई–6 और ई–7 स्तर के लिए 50 वर्ष है।

ई–1 के लिए आवश्यक न्यूनतम कार्य अनुभव 01 वर्ष है। ई–2 के लिए 4 वर्ष, ई–3 के लिए 8 वर्ष, ई–4 के लिए 12 वर्ष, ई–5 के लिए 16 वर्ष, ई–6 के लिए 20 वर्ष और ई–7 के लिए 23 वर्ष है।

विस्तृत विज्ञापन आरएफसीएल की वेबसाइटः **https://www.rfcl.co.in → Careers** पर 12.03.2025 से उपलब्ध होगा। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.04.2025 है। इस भर्ती के लिए कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/त्रुटि केवल आरएफसीएल की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

डीजीएम (एचआर)–आई/सी, आरएफसीएल

भारतीय थल सेना

www.joinindianarmy.nic.in

अग्निपथ योजना के तहत भारतीय थल सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए सूचना

(भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए पंजीकरण 12 मार्च से शुरू होकर 10 अप्रैल 2025 तक चलेगा)

मुख्य बातें

(नीचे दी गई जानकारी केवल सामान्य जागरूकता और एक रेडी रेकनर के लिए है)

(www.joinindianarmy.nic.in पर प्रकाशित भर्ती अधिसूचना अग्निवीर भर्ती के लिए लागू एकमात्र आधिकारिक विज्ञापन है)

श्रेणी	विवरण	विस्तृत अधिसूचना पैराग्राफ संख्या
प्रविष्टि का प्रकार	1. अग्निवीर सामान्य ड्यूटी. 2. अग्निवीर तकनीकी. 3. अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर तकनीकी. 4. अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 10वीं पास और 8वीं पास). 5. सैन्य पुलिस कोर में अग्निवीर महिला सामान्य ड्यूटी. **नोट-** अग्निवीर उम्मीदवार अपनी पात्रता के आधार पर किसी भी दो श्रेणियों (जैसा कि ऊपर दिया गया है) के लिए आवेदन कर सकते हैं.	**पैरा-1 और नोट (ए)**
आयु	17½-21 वर्ष (न्यूनतम और अधिकतम आयु की गणना 01 अक्टूबर 2025 के अनुसार की जाएगी). **केवल महिलाओं के लिए** : सेवाकाल के दौरान मृत रक्षा कर्मियों की विधवाओं के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 30 वर्ष की आयु (प्रशिक्षण में शामिल होने की तिथि के अनुसार) तक छूट दी जाएगी.	**पैरा-1**
शैक्षणिक योग्यता	अभ्यर्थी को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यताप्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से उत्तीर्ण होना चाहिए तथा बोर्ड की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है.	
शारीरिक माप मानक (ऊंचाई, वजन और छाती का विस्तार)	क्षेत्र और छूट के अनुसार	**पैरा-3**
शारीरिक फिटनेस टेस्ट	**शारीरिक फिटनेस टेस्ट (पीएफटी) में उत्तीर्ण होना चयन के लिए अनिवार्य है:-** **पुरुषों के लिए** : 1.6 किलोमीटर दौड़, बीम (पुल अप्स) और 9 फीट डिच और जिगजैग संतुलन में उत्तीर्ण होना आवश्यक है. **महिलाओं के लिए** : 1.6 किलोमीटर दौड़ और 10 फीट लंबी कूद और 3 फीट ऊंची कूद में उत्तीर्ण होना आवश्यक है. **ध्यान दें** : अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर क्लर्क / स्टोर कीपर तकनीकी के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को केवल सभी परीक्षणों में उत्तीर्ण होना आवश्यक है.	**पैरा-23 (ए)**
वैवाहिक स्थिति	**पुरुष** - केवल अविवाहित.	**पैरा-18**
	महिलाएं - अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा या कानूनी रूप से अलग हुई, जिनकी कोई संतान न हो, बशर्ते कि वे अन्य सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करती हों.	**पैरा 18 और पैरा 1 (बी)**
भर्ती प्रक्रिया	**ऑनलाइन पंजीकरण > ऑनलाइन सीईई > भर्ती रैली (पीएफटी और पीएमटी) > चिकित्सा > दस्तावेज़ीकरण**	**पैरा-19**
प्रवेश परीक्षा की तिथि	संभवतः जून 2025 में निर्धारित की गई है (अंतिम तिथियों की सूचना अलग से दी जाएगी)	
सामान्य प्रवेश परीक्षा	सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) 13 भाषाओं (यानी अंग्रेजी, हिंदी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, उड़िया, बांग्ला, उर्दू, गुजराती, मराठी और असमिया) में आयोजित की जाएगी.	**पैरा-21 (एफ)**
प्रशिक्षण अवधि	31 सप्ताह	
छुट्टी	अग्निवीरों के लिए प्रति वर्ष 30 दिन की छुट्टी लागू होगी. इसके अतिरिक्त, सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी की चिकित्सा सलाह के आधार पर बीमारी की छुट्टी लागू होगी.	**पैरा-11**
वेतन, भत्ते और संबद्ध लाभ	(नीचे तालिका देखें)	**पैरा-13 और 14**

वर्ष	अनुकूलित पैकेज (मासिक)	हाथ में (70%)	अग्निवीरों के लिए कॉर्पस फंड में योगदान (30%)	भारत सरकार द्वारा कॉर्पस फंड में योगदान
सभी आंकड़े रुपये में (मासिक अंशदान) (लगभग)				
प्रथम वर्ष	30,000/-	21,000/-	9,000/-	9,000/-
द्वितीय वर्ष	33,000/-	23,100/-	9,900/-	9,900/-
तृतीय वर्ष	36,500/-	25,550/-	10,950/-	10,950/-
चतुर्थ वर्ष	40,000/-	28,000/-	12,000/-	12,000/-

श्रेणी	विवरण	विस्तृत अधिसूचना पैराग्राफ संख्या
सेवानिधि	अग्निवीर कॉर्पस फंड में चार साल बाद कुल योगदान | रु. 5.02 लाख | रु. 5.02 लाख 4 साल बाद निकासी | सेवानिधि पैकेज के रूप में लगभग रु.10.04 लाख (ब्याज को छोड़कर कुल राशि)	**पैरा-14**
जीवन बीमा कवर	अग्निवीर को उनकी नियुक्ति अवधि के दौरान 48 लाख रुपये का गैर-अंशदायी जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाएगा	**पैरा-15**
मृत्यु मुआवजा	48 लाख रुपये के बीमा कवर के अलावा, सेवा के दौरान हुई मृत्यु के लिए 44 लाख रुपये की एकमुश्त अनुग्रह राशि, निकटतम रिश्तेदार (एनओके) को प्रदान की जाएगी.	**पैरा-15**
चिकित्सा और सीएसडी सुविधा	भारतीय थल सेना में अपनी नियुक्ति अवधि के दौरान अग्निवीर सैन्य अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ सीएसडी प्रावधानों के भी हकदार होंगे.	**पैरा-12**
अग्निवीरों की नियुक्ति अवधि	04 वर्ष. भारतीय थल सेना अग्निवीरों को चार वर्ष की नियुक्ति अवधि से आगे रखने के लिए बाध्य नहीं है.	**पैरा-8**
सैनिक (नियमित संवर्ग) के रूप में नामांकन	चार वर्ष की सेवा पूरी होने पर, संगठन की आवश्यकताओं और प्रख्यापित नीतियों के आधार पर, अग्निवीरों के प्रत्येक विशिष्ट बैच के 25% तक को नियमित संवर्ग के रूप में भारतीय सेना में नामांकित किया जाएगा.	**पैरा-8**

अस्वीकरण

विज्ञापन में दिए गए नियम और शर्तें केवल दिशा-निर्देश हैं और सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित आदेश चयनित उम्मीदवारों पर लागू होंगे.

भारतीय थल सेना बिना कोई कारण बताए किसी भी चरण में पूरी चयन प्रक्रिया या प्रक्रिया के किसी भाग को रद्द/संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी/अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए जाने पर उम्मीदवारों को स्थायी रूप से परीक्षा से बाहर कर दिया जाएगा.

पंजीकरण के दौरान दर्ज किया गया डेटा अंतिम होगा और बाद में उसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा. गलत डेटा दर्ज करने पर उम्मीदवारी अयोग्य घोषित कर दी जाएगी.

पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान
मावडियांगडियांग, शिलांग -793018

NEIGRIHMS

विज्ञापन संख्या NEIGR E.III/15/2014/Pt.VII दिनांक 22 जनवरी, 2025

निम्नलिखित समूह 'बी' और 'सी' पदों को सीधी भर्ती पर भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. पात्र उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे संस्थान की वेबसाइट **www.neigrihms.gov.in** पर जाकर संस्थान की वेबसाइट पर दिए गए ऑनलाइन लिंक के माध्यम से अपने आवेदन ऑनलाइन जमा करें. एक बार जमा किए गए आवेदन शुल्क को वापस नहीं किया जाएगा. सरकारी/अर्धसरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/स्वायत्त संस्थानों/संगठनों में काम करने वाले उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे अपने नियोक्ता/संस्थान/संगठन से अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करें. उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि न्यूनतम अपेक्षित योग्यता और अनुभव को पूरा करने मात्र से उन्हें लिखित परीक्षा/ऑनलाइन परीक्षा के लिए बुलाए जाने का अधिकार नहीं मिलता. केवल शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को ही लिखित परीक्षा/ऑनलाइन परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा, जिसे संस्थान उपयुक्त समझेगा. केवल भारतीय नागरिकों को ही आवेदन करना होगा.

क्रम सं.	पदों के नाम	पदों की संख्या	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	शैक्षणिक योग्यता और अनुभव	आयु सीमा (आवेदन की अंतिम तिथि के अनुसार)
1.	नर्सिंग ऑफिसर	105 (30-यूआर*, 47-ओबीसी*, 17-एससी*, 2-एसटी, 9-ईडब्ल्यूएस) * 6-यूआर पद पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित हैं, यानी 3 यूआर और 2 एससी पद (एएसडी (एम), आईडी, एसएलडी और एमआई या बहु दिव्यांगता (एमडी) के लिए खंड (ए) से (डी) के तहत व्यक्तियों में से आरक्षित हैं और 3-यूआर और 2-ओबीसी पद (एलडी, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएसी, एमडीवाई) के लिए आरक्षित हैं.	लेवल-7	**अनिवार्य:** 1. भारतीय नर्सिंग परिषद/राज्य नर्सिंग परिषद से मान्यताप्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग/बीएससी नर्सिंग. **या** भारतीय नर्सिंग परिषद/राज्य नर्सिंग परिषद से मान्यताप्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से बीएससी (पोस्ट-सरलीकृत) या समकक्ष जैसे बीएससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक). **या** भारतीय नर्सिंग परिषद/राज्य नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान/बोर्ड या परिषद से सामान्य नर्सिंग मिडवाइफरी में डिप्लोमा तथा शैक्षणिक योग्यताप्राप्त करने के पश्चात न्यूनतम 50 बिस्तरों वाले अस्पताल में 2 वर्ष का अनुभव. 2. भारतीय नर्सिंग परिषद/राज्य नर्सिंग परिषद में नर्स एवं मिडवाइफ के रूप में पंजीकृत होना चाहिए.	30 वर्ष से अधिक नहीं
2.	स्टोर कीपर	3 (2-यूआर* और 1-ओबीसी) *1 पद पीडब्ल्यूबीडी यानी वीआई (एलवी) के लिए आरक्षित है.	लेवल-6	**अनिवार्य:** 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या समकक्ष. 2. मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से मैटेरियल मैनेजमेंट/वेयरहाउसिंग मैनेजमेंट/परचेजिंग/लॉजिस्टिक्स/ पब्लिक प्रोक्योरमेंट में डिप्लोमा/डिग्री.	30 वर्ष से अधिक नहीं
3.	रेडियोग्राफर	3 (2-यूआर* और 1-एससी) *1 पद पीडब्ल्यूबीडी यानी डी, एचएच के लिए आरक्षित है.	लेवल-6	**अनिवार्य:** किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से रेडियोग्राफी में बीएससी (ऑनर्स) (3 वर्षीय कोर्स). **या** किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी (एक्स-रे). **वांछनीय:** कंप्यूटर का उपयोग करने की क्षमता - कार्यालय अनुप्रयोगों, स्प्रेड शीट और प्रस्तुतियों का व्यावहारिक अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
4.	मेडिकल सोशल वर्कर	1-एससी	लेवल-6	**अनिवार्य:** 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य/अनुप्रयुक्त समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि. 2. स्वास्थ्य संबंधी क्षेत्र में किसी सरकारी संगठन या चिकित्सा/सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित कल्याण या स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव.	35 वर्ष से अधिक नहीं
5.	तकनीशियन एंडोस्कोपी/ कोलोनोस्कोपी	2-यूआर	लेवल-6	**अनिवार्य:** i. विज्ञान के साथ 10+2 ii. मान्यताप्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से एंडोस्कोपी प्रौद्योगिकी में बीएससी/डिप्लोमा. iii. संबंधित (एंडोस्कोपी/कोलोनोस्कोपी) क्षेत्र में अस्पताल में 3(तीन) वर्ष का अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
6.	तकनीशियन (न्यूक्लियर मेडिसिन)	4 (3-यूआर और 1-ओबीसी)	लेवल-6	**अनिवार्य:** i. किसी भी विषय में बीएससी ii. एम.एससी. (न्यूक्लियर मेडिसिन) iii. विकिरण सुरक्षा अधिकारी प्रमाण पत्र. **या** i. किसी भी विषय में बीएससी ii. मेडिकल रेडिएशन और आइसोटोप तकनीक (डीएमआरआईटी) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा या समकक्ष iii. विकिरण सुरक्षा अधिकारी प्रमाण पत्र.	30 वर्ष से अधिक नहीं
7.	स्वास्थ्य निरीक्षक	1- यूआर* * पद पीडब्ल्यूबीडी यानी डी, एचएच के लिए आरक्षित है.	लेवल-6	**अनिवार्य:** 1. बी.ए./बी.एससी. के साथ किसी राज्य की नर्सिंग काउंसिल/डीएचएस द्वारा मान्यताप्राप्त बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए डेढ़ साल का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम. 2. किसी शिक्षण/स्वास्थ्य संस्थान में बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में दो साल का अनुभव. **वांछनीय:** सेवा प्रशिक्षण में पर्यवेक्षी अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
8.	जूनियर अकाउंट्स ऑफिसर	1- यूआर	लेवल-6	**अनिवार्य:** 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से डिग्री. 2. किसी सरकारी कार्यालय/पीएसयू/स्वायत्त निकाय/सांविधिक निकाय में नकदी, लेखा और बजट कार्य में 2 (दो) वर्ष का अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
9.	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	1-ओबीसी	लेवल-6	**अनिवार्य:** किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री. **या** किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में तीन साल का डिप्लोमा.	30 वर्ष से अधिक नहीं
10.	फार्मासिस्ट	1-एसटी	लेवल-5	**अनिवार्य:** 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से फार्मेसी में डिप्लोमा (डी.फार्मा) या बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्मा) या डॉक्टर ऑफ फार्मेसी (फार्मा.डी). 2. फार्मेसी अधिनियम 1948 के तहत पंजीकृत फार्मासिस्ट होना चाहिए.	27 वर्ष से अधिक नहीं
11.	तकनीकी सहायक	1-एसटी	लेवल-5	**यूरोलॉजी विभाग:** किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रेडियोलॉजी तकनीक में बीएससी के साथ किसी प्रतिष्ठित संस्थान/संगठन से रेडियोलॉजी तकनीक में दो साल का कार्य अनुभव. या किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से विज्ञान के साथ 12वीं पास के साथ किसी मान्यताप्राप्त संस्थान/संगठन से रेडियोलॉजी तकनीक में दो साल का डिप्लोमा और किसी प्रतिष्ठित संस्थान/संगठन से रेडियोलॉजी तकनीक में दो साल का कार्य अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं

(शेष पृष्ठ 13 पर)

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन व्यवस्था से जन-जन को अवगत कराना है

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमोत्सव के संबंध में नई दिल्ली में मीडिया के लिए जारी संदेश में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय ज्ञान परम्परा से 'विरासत से विकास' के ध्येय को देश में साकार कर रहे हैं। भगवान श्रीराम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का शासन ही सुशासन की मिसाल स्थापित करता है। प्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में विक्रमोत्सव अंतर्गत हो रहे कार्यक्रम सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनकी शासन व्यवस्था से जन-जन को प्रेरित कराने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य का संपूर्ण भारत के साथ ही विश्व में आदर के साथ स्मरण किया जाता है। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा 2082 वर्ष पहले विक्रम संवत का प्रवर्तन किया गया था। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है। सम्राट विक्रमादित्य ने गणराज्य की स्थापना कर लोकतांत्रिक व्यवस्था का क्रियान्वयन आरंभ किया। साथ ही जनता के लिए जवाबदेह नवरत्नों का मंत्रीमंडल गठित कर ऐसी व्यवस्था की जिसमें राजा नहीं बल्कि नौ मंत्रियों द्वारा लिए गए निर्णयों का शासन द्वारा क्रियान्वयन किया जाता था। सुशासन के लिए वर्तमान में क्रियान्वित मापदंड सम्राट विक्रमादित्य के काल की याद दिलाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर राशि देकर व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहित किया और हर व्यक्ति की आवश्यकता को समझा।

मुख्यमंत्री ने निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 का शुभारंभ किया

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के रेवती रेंज में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में तेजी से उभर कर सामने आ रहा है। भविष्य में हमारा प्रदेश खेलों की राजधानी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और बीएसएफ के समन्वय से निशानेबाजों की खोज की जाएगी। उन्हें रेवती रेंज में प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए बीएसएफ की टीम को बधाई दी। प्रतियोगिता केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्यूटी) सीसुबल, इंदौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जो 24 से 29 मार्च 2025 चलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया।

- **देश भर के केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बल, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 600 से अधिक पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मी ले रहे हैं भाग।**

उद्घाटन समारोह में बीएसएफ और पुलिस ब्रास बैंड द्वारा बजाए गए लयबद्ध मार्चिंग धुनों पर केंद्रीय पुलिस संगठनों और विभिन्न राज्य पुलिस टीमों द्वारा स्मार्ट और साफ-सुथरे मार्च पास्ट, बीएसएफ बोल्ड्स टीम द्वारा वेपन से ड्रिल/करतब का प्रदर्शन और एनटीसीडी (राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र), टेकनपुर के श्वानों द्वारा सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करते हुए विशेष रूप से भारतीय नस्लों के कुत्तों की शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया गया।

रेवती रेंज में आयोजित प्रतियोगिता में देश भर के केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के कार्मिक भाग ले रहे हैं। यह पिछले 5 वर्षों में आयोजित नहीं किया जा सका था एवं आखिरी बार 2019 में पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था। यह 24 से 29 मार्च 2025 तक इंदौर के रेवती रेंज में आयोजित किया जा रहा है। छह दिनों की इस प्रतियोगिता के दौरान देश भर के पुलिस संगठनों और राज्य पुलिस की टीमें, जिसमें देश भर के 600 पुरुष एवं महिला निशानेबाज और अधिकारी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न पुलिस संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले निशानेबाज टीमें उच्च खेल भावना के साथ सौहार्द्रपूर्ण तरीके से अपने शूटिंग कौशल का प्रदर्शन करेंगी। अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड की देखरेख में रेवती रेंज में स्पोर्ट्स वेपन्स की इस प्रतियोगिता में 17 स्पर्धाएं आयोजित की हैं। राष्ट्रीय राइफल संघ के विभिन्न अधिकारी की निगरानी में कुल 204 पदकों के लिए खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा, जिसमें 68 स्वर्ण, 68 रजत एवं 68 कांस्य शामिल हैं।

ग्रीन भारत एक्सपो का समापन

भोपाल, राजधानी में ग्रीन भारत एक्सपो का समापन हुआ। इलेक्ट्रिक व्हीकल और सोलर एनर्जी पर केंद्रित इस एक्सपो में देशभर की प्रतिष्ठित कंपनियों, निर्माताओं और संभावित निवेशकों ने भाग लिया। एक्सपो का आयोजन इमेजिन इवेंट और डिक्की द्वारा किया गया था।

खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने एक्सपो का समापन करते हुए डिक्की और इमेजिन इवेंट को इस आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी ही भविष्य की मांग है। हमें प्रकृति का संरक्षण करते हुए सतत विकास की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्रीन एनर्जी सिर्फ पर्यावरण संरक्षण का जरिया नहीं, बल्कि उद्यमिता और स्वरोज़गार के अनंत अवसर भी प्रदान करती है।

श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्लीन और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में अपार संभावनाओं के द्वार खोले हैं। समापन समारोह में उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा मिल सकता है।

मुख्यमंत्री ने श्री शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चयन पर दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रायपुर निवासी वरिष्ठ साहित्यकार श्री विनोद कुमार शुक्ल को 59वां 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिए जाने की घोषणा पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पुरस्कार के लिए श्री शुक्ल का चयन उनकी सृजनात्मक शक्ति और प्रतिभा के सम्मान के साथ ही हिन्दी साहित्य जगत का भी सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी साहित्य जगत के यशस्वी कवि एवं साहित्यकार श्री विनोद कुमार शुक्ल छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम और हिन्दी भाषा के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में हो रहा विकास

पांढुर्णा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पांढुर्ना में चमत्कारिक हनुमानजी के मंदिर परिसर जामसांवली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल निर्देशन में सभी क्षेत्रों में विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। विकास के कीर्तिमान स्थापित हुए हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि जामसांवली सहित प्रदेश में 13 अलग-अलग लोक के निर्माण कार्य से धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। हनुमान लोक का प्रथम चरण का कार्य मई तक पूर्ण करने का लक्ष्य है और द्वितीय चरण में शीघ्र ही हनुमान लोक के विकास के कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रत्येक वर्ग के कल्याण के कदम उठाए गए हैं। पांढुर्णा में सभी विकास कार्य होंगे, जिससे जिले में औद्योगिक विकास होगा और रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने गुड़ी पड़वा (नये विक्रम संवत्) की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि नये साल में पांढुर्णा के विकास को प्राथमिकता से किया जाएगा।

सभी वर्गों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लगातार विकास हो रहे हैं और सभी वर्गों के कल्याण के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसान, युवा, महिला और गरीबों के लिये सरकार प्राथमिकता से कार्य कर रही है। इस बार किसानों से 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदी जायेगी। साथ ही धान उत्पादन पर भी प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में रोज़गार देने का लक्ष्य है। लोकसेवा आयोग की परीक्षाएं जो रुकी थीं, वे सभी हो रही हैं। इसी प्रकार गरीबों के हित लिये भी लगातार कार्य किये जा रहे हैं।

चमत्कारिक हनुमानजी का किया पूजन-अर्चन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जामसांवली में चमत्कारिक हनुमानजी का पूजन-अर्चन कर प्रदेश के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने इस अवसर पर कन्या-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री इंदौर में बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में हुए शामिल

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में बिहारी दिवस के उपलक्ष्य में वृहद बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बिहार और बिहार के निवासियों की योग्यता, बुद्धिमत्ता और श्रमशीलता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिहार और मध्यप्रदेश का प्राचीन काल से ही गहरा नाता रहा है। भारत देश के वैभवकाल में पाटलिपुत्र और अवंतिका सत्ता के दो केंद्र हुआ करते थे। सम्राट अशोक की राजधानी पाटलिपुत्र रही, लेकिन उनकी संतति ने मध्यप्रदेश से ही श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ गंगा के पावन जल में मध्यप्रदेश की नदियों का जल भी समाहित है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली अनेक नदियाँ अंततः गंगा में जाकर समाहित होती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं और आने वाले दिनों में विकास का यह पहिया और भी तेजी से घूमेगा। मुख्यमंत्री ने इंदौर में बिहारी समाज की माँग पर यहां छठ पूजन के लिए घाट विकसित करने और छठ मेला आयोजित किए जाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास के कार्य लगातार किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 12, 13 और 14 अप्रैल को सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन दिल्ली में होने वाला है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सहकारिता आंदोलन को आगामी 4 वर्ष में नए मुकाम पर पहुंचाएंगे

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सर्वजनकल्याण के संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में पंचायत से लेकर मंत्रालय तक पारदर्शितापूर्ण कार्यशैली के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ सहकारी क्षेत्र में समृद्ध हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता का लाभ पहुंचाने के लिये बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। गुजरात

में दूध पर बोनस की जिस तरह व्यवस्था है, मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने की पहल की है। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति दी जा रही है। अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। आने वाले चार वर्ष में सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा।

स्वायत्तता को खत्म नहीं होने दिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में सहकारिता का इतिहास वर्षों पुराना है। भारत में वर्षों पूर्व अश्वमेघ यज्ञ की परंपरा रही थी। लेकिन भारत ने किसी राष्ट्र पर कब्जा नहीं किया। छोटे-छोटे राज्यों की स्वायत्तता को खत्म नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें साथ लेकर कार्य किया और उनके स्वावलंबन को भी जीवंत रखा। सच्चे अर्थों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भावना का पालन करने वाला कोई राष्ट्र है तो वह भारत है।

प्रदेश में निवेश से रोज़गार सृजन का नया अध्याय लिखा जा रहा है

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम व्यापार मेला उज्जैन में आयोजित औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से देश और प्रदेश में समृद्धि बरस रही है। सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली नगरी उज्जयिनी में पहली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का सफल आयोजन हुआ था। इसके बाद क्रमवार संभागीय मुख्यालयों पर 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। इन आरआईसी में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न 'विकसित भारत' को साकार करने प्रदेश में 1127.24 करोड़ रुपये के निवेश से 26 विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण कर विकास का एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। यह परियोजनाएं उज्जैन को एक नया औद्योगिक

आयाम देंगी, जिससे क्षेत्र का औद्योगिक और आर्थिक विकास होगा। इन इकाइयों से हमारे लगभग 5046 युवाओं को रोज़गार प्राप्त हो सकेगा।

26 औद्योगिक इकाइयों का हुआ लोकार्पण-भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 1127 करोड़ रुपये से अधिक की लागत

- व्यापार में कमिटमेंट का है सर्वाधिक महत्व।
- मुख्यमंत्री ने 1127.24 करोड़ रुपये की लागत की औद्योगिक इकाइयों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन।
- औद्योगिक इकाइयों से 5046 युवाओं को मिलेगा रोज़गार।
- विक्रम उद्योगपुरी में 28 करोड़ रुपये की लागत वाले सामान्य अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का हुआ लोकार्पण।
- मुख्यमंत्री ने 73 औद्योगिक इकाइयों को 441 करोड़ रुपये की निवेश प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

से विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जा रहा है। ये इकाइयां 5046 से अधिक युवाओं को रोज़गार प्रदान करेंगी। मेसर्स इस्कॉन बालाजी की यूनिट का लोकार्पण किया जा रहा है। 122 करोड़ रुपये की लागत एवं निवेश से निर्मित इस इकाई में प्रतिदिन 400 टन आलू से फ्लैक्स बनाएं जायेंगे। मालवा क्षेत्र के हजारों किसानों को इस उद्योग के लाभ होगा, किसानों को उनकी उपज आलू का वाजिब दाम भी प्राप्त हो सकेगा और स्थानीय युवाओं को रोज़गार भी मिलेगा। मेसर्स रेलसस प्राइवेट लिमिटेड लोकार्पण किया जा रहा है। यह इकाई 97 करोड़ रुपये की लागत एवं निवेश से चना, मटर मूंग और रेपसीड ऑयल केक से प्लांट बेस्ड प्रोटीन का निर्माण करेगी एवं 120 से अधिक स्थानीय युवाओं को रोज़गार प्रदान करेगी। यह इकाई से मध्यप्रदेश के किसानों को सही दाम पे अनाज बेचने के अवसर प्रदान करेगी, जिससे मध्यप्रदेश के खेती किसानी वाले व्यक्तियों को सम्पूर्ण लाभ मिलेगा। कंपनी मुख्यतः अपना उत्पाद निर्यात के लिए बनाती है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए समर्पण आवश्यक

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पीपुल्स मेडिकल कॉलेज भोपाल में वर्ष-2019 बैच के विद्यार्थियों को एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाने का सपना विद्यार्थियों के सहयोग और समर्पण से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना विकास के कार्य तेज गति से चल रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक विकास के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विकास का अंतिम लक्ष्य उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा सुनिश्चित करना है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए पर्याप्त चिकित्सकीय मैन पावर की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जनप्रतिनिधि सदैव अपने क्षेत्रों में चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा, 'हम आप सभी से आशाएं हैं। आपको एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर जितनी खुशी हो रही है, उतनी ही हमें भी हो रही है।'

संस्कार और सामाजिक सरोकार शिक्षा का मूल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 'एजुकेशन विद आउट कल्चर इज लाइक फ्लावर विद आउट फ्रेग्रेंस' अर्थात संस्कारहीन शिक्षा बिना खुशबू वाले फूल के समान है। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा का भाव रखने वाली संस्कारवान शिक्षा आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संवेदनशील, समर्पित और सेवा-भावना से परिपूर्ण रहकर कार्य करने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 75 हजार एमबीबीएस सीटों की वृद्धि का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश भी 10 हजार एमबीबीएस और 5 हजार पीजी सीटों की वृद्धि के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना और अन्य योजनाओं के माध्यम से सरकार 90 प्रतिशत विद्यार्थियों की चिकित्सा शिक्षा में आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है।

मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में 'मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी कार्य समिति एवं प्रबंधक मंडल' की बैठक हुई।

श्री परमार ने कहा कि अकादमी को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत कार्य किए जाएं। श्री परमार ने अकादमी को आर्थिक रूप से सशक्त करने, समय पर पुस्तकें प्रकाशित करने तथा विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बाजार में भी अकादमी की पुस्तकों की बिक्री केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने अकादमी द्वारा प्रकाशित द्विमासिक रचना पत्रिका में सम-सामयिक आलेख, विश्वविद्यालय महाविद्यालय तथा उच्च शिक्षा विभाग की गतिविधियों की जानकारी के साथ प्रकाशित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही के पालन प्रतिवेदन की पुष्टि हुई एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट का अनुमोदन भी किया गया। साथ ही अकादमी में दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारियों को स्थाई बनाने, संविदा कर्मचारियों को समकक्षता प्रदान करने तथा स्वीकृत रिक्त पदों को शीघ्र भरने एवं अकादमी के संविधान में संशोधन कर सम-सामयिक बनाने का भी निर्णय लिया गया। अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल ने विचारणीय विषयों का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं कार्यसमिति सदस्यों ने भी विचार साझा किए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की अध्यक्षता में मंत्रालय में जनजातीय मंत्रणा परिषद की बैठक हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश जनजातीय मंत्रणा परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश में जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए अधिक से अधिक प्रयास किये जायेंगे। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। वन क्षेत्रों में जनजातीय समाज के देव स्थलों पर पूजा-पाठ के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। इसके लिए वन विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के जिन पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें आवश्यक परीक्षण और सर्वेक्षण के बाद लाभान्वित किया जाएगा। 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' में सभी कार्य समय-सीमा में किए जाएंगे। जनजातीय विद्यार्थियों को विशेष कोचिंग के लिए आकांक्षा योजना का लाभ मिलेगा। योजना का विस्तार कर शासकीय सेवाओं में भर्ती और महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कोचिंग प्रदान की जाएगी।

- **आकांक्षा योजना का होगा विस्तार, विद्यार्थियों को मिलेगी ऑफलाइन और ऑनलाइन कोचिंग सुविधा।**
- **वन क्षेत्रों में स्थित देव स्थलों में बढ़ाएंगे सुविधाएं।**

जनजातीय कल्याण में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। धार जिले में बटालियन में तीन चौथाई जनजातीय वर्ग के लोग शामिल करने की पहल हुई है। इसी तरह के प्रयास प्रदेश के पूर्वी अंचल में मंडला, डिण्डौरी और अन्य जिलों में भी होंगे। क्षेत्र विशेष की परिस्थितियों की दृष्टि से जनजातीय वर्ग के विकास के सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मेलों में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगने वाले प्रमुख मेलों में जनजातीय वर्ग के कलाकारों को भेजा जाएगा। जनजातीय वर्ग के कलाकारों को विभिन्न आयोजनों से निरंतर जोड़ा जाएगा। प्रदेश के पश्चिम क्षेत्र में प्रचलित लोकप्रिय पर्व भगोरिया का अपना महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती की प्रथम राजधानी रही सिंग्रामपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक, रानी दुर्गावती के नाम पर एसएएफ की बटालियन का नामकरण और वीरांगना अवंतीबाई लोधी के नाम से सागर में विश्वविद्यालय प्रारंभ करने के निर्णय लिए गए। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा विश्वविद्यालय प्रारंभ किया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

वीर सावरकर के व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के प्रगति नगर में स्वातंत्र्य वीर श्री विनायक दामोदर सावरकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, चिन्तक, समाज सुधारक, इतिहासकार, कवि, ओजस्वी वक्ता तथा दूरदर्शी राजनेता रहे हैं। वे अपने कृतित्व से वीर सावरकर के नाम से लोकप्रिय हुए। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर के स्मरण से ही रोमांच की अनुभूति होती है। उन्होंने अनेक कष्ट एवं प्रताड़ना सह कर देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन आदर्श है। कालापानी जैसी सबसे कठिन सजा पाकर भी वे अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर के इतिहास को सही रूप में समझने की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य है कि उनके इतिहास को सही रूप में जन-जन तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस स्थान की स्थापना जिस महापुरुष के नाम से होती है वह स्थान उन्हीं के नाम से जाना और पहचाना जाए। इसके लिए सूचना पटल लगाने सहित अन्य कार्यों में भी उनके नाम का उपयोग किया जाए।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर के राजेंद्र नगर क्षेत्र के प्रगति नगर जोन कार्यालय में जनसहयोग से वीर सावरकर की प्रतिमा का निर्माण किया गया। मूर्ति के आधार को सावरकर द्वारा लिखी गई किताबों की शक्ल में तैयार किया गया है।

जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर बढ़ा जा सकता है आगे - मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली में एक निजी समाचार चैनल द्वारा आयोजित 'डायमंड स्टेट्स समिट' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत सवा वर्ष में मध्यप्रदेश सरकार ने विरासत को साथ लेकर विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं, जिससे उन्हें संतोष है। प्रदेश सरकार गरीब, युवा, महिला और किसान कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इंदौर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों का कई वर्षों से लंबित भुगतान जहां एक ओर पूरा कर दिया गया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना भी मूर्त रूप ले रही है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में साढ़े आठ लाख आवास और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 36 लाख आवास में गृह प्रवेश करवाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जड़ों से जुड़े रहकर विकास पथ पर आगे बढ़ा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2000 वर्ष पूर्व सम्राट विक्रमादित्य ने वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता से शासन की व्यवस्थाओं का संचालन किया और विदेशी आक्रांताओं से स्वतंत्रता दिलाकर सुशासन स्थापित किया, जो प्रदेश की गौरवशाली विरासत है।

फैक्ट फाइल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन 500 गीगावॉट करने का लक्ष्य

मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनने की ओर

भारत नवकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में अग्रणी भूमिका में है। देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन 500 गीगावॉट करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया है। प्रधानमंत्री जी के इस लक्ष्य को सार्थक करने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सतत् प्रयास और नवाचार किये हैं।

विगत दिनों आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मध्यप्रदेश की टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूबल एनर्जी पॉलिसी जारी की गयी। इससे नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का योगदान

पिछले 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 70 बिलियन डॉलर (5 ट्रिलियन रुपये से अधिक) का निवेश हुआ है। इससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोज़गार सृजित हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस विकास में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और बताया कि मध्यप्रदेश वर्तमान में लगभग 31,000 मेगावॉट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है, जिसमें से 30% हरित ऊर्जा है।

जीआईएस में प्राप्त प्रस्ताव

जीआईएस-भोपाल में नवकरणीय ऊर्जा सेक्टर में अवाडा एनर्जी, एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एक्सिस एनर्जी वेंचर, एनएसएल रिन्यूएबल पॉवर प्राइवेट लिमिटेड, टोरेंट पॉवर और जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने निवेश प्रस्ताव दिए हैं। इस निवेश से राज्य में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को गति मिलेगी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

20 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

मध्यप्रदेश ग्रीन-एनर्जी हब के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में राज्य में 5 बड़ी सौर परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 2.75 गीगावॉट (2,750 मेगावॉट) है। सरकार का वर्ष-2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 20 गीगावॉट (20,000 मेगावॉट) तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

नीमच और मुरैना के सौर पार्क

प्रदेश में बड़ी सौर परियोजनाएं आकार ले रही हैं, जिनमें नीमच 170 मेगावॉट सौर परियोजना और मुरैना हायब्रिड उत्पादन और स्टोरेज पार्क शामिल हैं। भारतीय रेलवे और मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीएमसीएल) के लिए सौर परियोजनाएं महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में भारतीय रेल को ऊर्जा की आपूर्ति मध्यप्रदेश से ही की जा रही है।

मुख्य बिन्दु

- प्रदेश की अक्षय ऊर्जा क्षमता राज्य की कुल ऊर्जा क्षमता का लगभग 21 प्रतिशत है।
- सौर ऊर्जा भविष्य की अर्थव्यवस्था का केन्द्र बनेगी।
- नवकरणीय ऊर्जा में 5.72 लाख करोड़ से अधिक का निवेश।

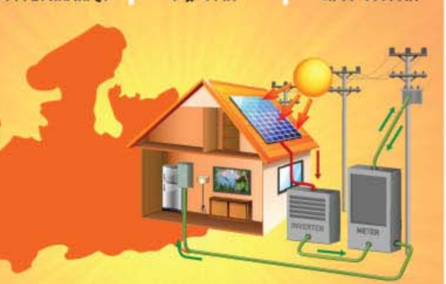

- 1.4 लाख से अधिक रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे।
- पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में मध्यप्रदेश अग्रणी।
- मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना से प्रदेश में आगामी 3 वर्ष में 30 लाख किसानों को सौर पंप उपलब्ध कराये जायेंगे।
- कुसुम-ए-योजना में 39 मेगावॉट तथा कुसुम सी योजना में 40 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित।
- प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता एक दशक में 14 गुना से अधिक बढ़ी है।

किसानों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता

किसानों को अतिरिक्त आय हो और वे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो इसके लिए कुसुम योजना से लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। कुसुम-ए योजना में अब तक 1490 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्वीकृत किये गये, उनमें से 570 मेगावॉट क्षमता के संयंत्रों का चयन किया जा चुका है। इनमें से अब तक 39 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित भी किये जा चुके हैं। कुसुम-सी योजना में अब तक 3000 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाएं क्रियान्वित हो चुकी हैं। इनमें से 529 मेगावॉट क्षमता की चयनित परियोजनाओं में से 40 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में वर्ष 2026 तक देश के 1 करोड़ घरों में सौर संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। अब तक देश के 10 लाख से अधिक घरों में सौर ऊर्जा की चमक है। मध्यप्रदेश इसमें अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। भारत के 'नेट ज़ीरो कार्बन' लक्ष्य वर्ष-2070 को प्राप्त करने में प्रदेश सरकार की यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार की ठोस नीतियां, निवेश अनुकूल माहौल और तकनीकी नवाचार के चलते मध्यप्रदेश ने अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रगति की है। तेजी से बढ़ते निवेश, कम लागत और बेहतर नीतियों से मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा का राष्ट्रीय केंद्र बन कर उभर रहा है। मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस राज्य बन चुका है। राज्य सरकार प्रदेश को अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाकर देश में नवकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति का केन्द्र बनाने के प्रयासों में जुटी हुई है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ अन्य राज्यों को भी ऊर्जा आपूर्ति कर सकेगा।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

दिव्या त्यागी ने

100 वर्ष पुरानी गणितीय समस्या हल की

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में स्थित पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली भारतीय मूल की इंजीनियरिंग छात्रा दिव्या त्यागी ने वायुगतिकी की

एक सदी पुरानी गणित की समस्या को हल कर दिया है, जिससे पवन टरबाइन निर्माण के लिए नए विकल्प खुल गए हैं। बता दें, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त करने वाली छात्रा दिव्या त्यागी ने ब्रिटिश एयरोडायनामिक विज्ञानी हरमन ग्लौर्ट के काम में सुधार किया, जिनका अध्ययन पवन टरबाइनों के उच्चतम संभावित शक्ति गुणांकों पर केंद्रित था। ज्ञात रहे कि दिव्या ने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री पूरी की है और वर्तमान में कम्प्यूटेशनल द्रव गतिकी (सीएफडी) में अत्याधुनिक अनुसंधान कर रही हैं।

अफगानिस्तान में

रेडियो पर भी सुनाई नहीं देगी महिलाओं की आवाज

पश्चिमी देशों की तमाम आलोचनाओं के बावजूद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार एक के बाद एक फरमान जारी कर रही है। पहले न्यूज एंकरिंग और

रिपोर्टिंग से महिलाओं को हटाया जा चुका है। अब नए फरमान में महिलाओं को रेडियो से भी दूर कर दिया गया है। तालिबान के सूचना और संस्कृति निदेशालय की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक रेडियो पर महिलाओं की आवाज को प्रसारित करना बैन कर दिया गया है।

विनोद कुमार शुक्ल

ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित होंगे

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध हिंदी कवि और लेखक विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान माना जाता है। नई दिल्ली में इसकी घोषणा की गई। उनका जन्म 1 जनवरी 1947

को राजनांदगांव में हुआ था। वे लगभग पचास वर्षों से साहित्यिक लेखन से जुड़े हुए हैं। उनका पहला कविता संग्रह, 'लगभग जय हिंद', वर्ष 1971 में प्रकाशित हुआ था। उनके उपन्यास 'नौकर की कमीज़', 'खिलेगा तो देखेंगे' और 'दीवार में एक खिड़की' सर्वश्रेष्ठ हिंदी उपन्यास माने जाते हैं। इसके साथ ही उनके कहानी संग्रह 'पीड़ पर कमरा' और 'महाविद्यालय' और उनकी कविताएं 'वो आदमी चला गया', 'नया गरम दरबार पहन कर', 'आकाश धरती को खटकता है' और 'कविता से लंबी कविता' बहुत लोकप्रिय हुए हैं। श्री शुक्ल ने बच्चों के लिए किताबें भी लिखी हैं। उनकी पुस्तकों का कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है। विनोद कुमार शुक्ल को इससे पहले उनके लेखन के लिए कई पुरस्कार मिल चुके हैं। इनमें गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप, रजा पुरस्कार और साहित्य अकादमी पुरस्कार शामिल हैं।

कमल खेड़ा और अनीता आनंद

कनाडा में स्वास्थ्य मंत्री और आर्थिक विकास मंत्री बनीं

दिल्ली में जन्मीं सुश्री कमल खेड़ा को कनाडा का स्वास्थ्य मंत्री और भारतवंशी अनीता आनंद को आर्थिक विकास मंत्री नियुक्त किया गया है। खेड़ा

इससे पहले राष्ट्रीय राजस्व, अंतर्राष्ट्रीय विकास सहित कई मंत्रालयों में मंत्री और संसदीय सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं। खेड़ा का जन्म 4 फरवरी, 1989 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता हरमिंदरसिंह का वर्ष 2020 में निधन हो गया, वे डीआरडीओ में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां गुरशरण कौर शिक्षिका थीं। वह 10 साल की थीं, तब उनका परिवार कनाडा चला गया था।

फायरसैट उपग्रह

पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा गूगल का उपग्रह

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल का पहला फायरसैट उपग्रह लॉन्च करने के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स को धन्यवाद दिया है। फायरसैट

गूगल का एक उपग्रह प्रोजेक्ट है, जिसे जंगल में आग फैलने से पहले उसका पता लगाने और उसे ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। पिचाई ने 'एक्स' पर टेकऑफ से पहले लॉन्च पैड पर सैटेलाइट की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, पहला फायरसैट सैटेलाइट अब पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। यह 50 से ज्यादा सैटेलाइट के समूह में से पहला है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके 5 मीटर गुणा 5 मीटर जितनी छोटी जंगल की आग का पता लगाने और ट्रैक करने में मदद करेगा। गूगल ने सबसे पहले 2020 में इस दिशा में पहल की थी।

ट्विटर का बर्ड लोगो

नीलामी में 29 लाख 56 हजार रुपये में बिका

ट्विटर के प्रसिद्ध बर्ड लोगो को आरआर नीलामी में बिक्री के लिए रखा गया था। इस नीलामी में इसे 34,375 डॉलर यानी 29 लाख 56 हजार रुपये का

दाम मिला। प्रतिष्ठित नीले पक्षी वाले प्रतीक को कंपनी के सैन फ्रांसिस्को मुख्यालय से हटा दिया गया था जब एलन मस्क ने इसे खरीद लिया था और नाम बदलकर एक्स कर दिया था। आरआर नीलामी के अनुसार, 560 पाउंड (254 किलोग्राम) का लोगो, जो 12 फीट गुणा 9 फीट (3.7 मीटर गुणा 2.7 मीटर) था, वह 34,375 में बिक गया है। आरआर ऑक्शन दुर्लभ और संग्रहणीय वस्तुओं का कारोबार करता है। टेस्ला के सीईओ ने 2022 में एक्स का अधिग्रहण करने के लिए 44 अरब डॉलर का भुगतान किया।

पर्पल फेस्ट

राष्ट्रपति भवन में हुआ आयोजित

दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का जश्न मनाने के लिए राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में एक दिवसीय 'पर्पल फेस्ट' का

आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महोत्सव का दौरा किया और दिव्यांगजनों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखा। इस मौके पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वंचित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता किसी देश या समाज की प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। करुणा, समावेशिता और सद्भावना हमारी संस्कृति और सभ्यता के मूल्य रहे हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय, समान दर्जे और व्यक्ति की गरिमा की बात कही गई है।

डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के सीईओ बने

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचित किया है कि आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन ने अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यभार

संभाल लिया है। एएनआरएफ की स्थापना अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम, 2023 के माध्यम से जुलाई में की गई थी। इसका उद्देश्य अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) को विकसित करना और बढ़ावा देना तथा भारत के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों और आर एंड डी प्रयोगशालाओं में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। कल्याणरमन इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (सीटीओ), एनर्जी इंडस्ट्री, एशिया के पद पर रह चुके हैं।

इंद्रनील भट्टाचार्य

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक नियुक्त

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि कार्यकारी निदेशक के रूप में भट्टाचार्य आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग का कार्यभार संभालेंगे। यह

नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी हो गई है। ईडी के रूप में पदोन्नति से पहले, भट्टाचार्य आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने वर्ष 2009-14 तक कतर सेंट्रल बैंक में गनर्वर के तकनीकी कार्यालय में आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया है।

केरल में

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने कानून पारित

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री

पिनाराई विजयन ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिकों को पूरी तरह से अपनाने वाली नीतियां लागू कर रही है। केरल, जो देश में बुजुर्गों के कल्याण में पहले स्थान पर है, इस क्षेत्र में एक और उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोग की स्थापना के साथ, हम वरिष्ठ नागरिकों की पुनर्वास, सुरक्षा और कल्याण को अधिक प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे। यह आयोग बुजुर्गों को होने वाली कठिनाइयों जैसे कि उपेक्षा, शोषण और अकेलेपन से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करने का कार्य करेगा।

गुंटर ब्लोश्चल

स्टॉकहोम जल पुरस्कार जीता

प्रसिद्ध जलविज्ञानी गुंटर ब्लोश्चल को प्रतिष्ठित स्टॉकहोम जल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बाढ़ जोखिम प्रबंधन और जल संसाधन इंजीनियरिंग में उनके योगदान को दर्शाता है। उनके काम ने बाढ़ और जलवायु परिवर्तन

के साथ उनके संबंधों की समझ को बदल दिया है। ब्लोश्चल के व्यापक शोध और अभिनव तरीकों ने वैश्विक बाढ़ की भविष्यवाणी और शमन रणनीतियों को बहुत प्रभावित किया है। ब्लोश्चल का शोध जलवायु-प्रेरित बाढ़ जोखिमों पर केंद्रित है। उन्होंने एक व्यापक बाढ़ डेटाबेस विकसित किया है जो ऐतिहासिक बाढ़ पैटर्न का विश्लेषण करता है। स्टॉकहोम जल पुरस्कार को अक्सर 'जल का नोबेल पुरस्कार' कहा जाता है।

फिनलैंड

दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना

दुनिया के सबसे खुशहाल देशों में फिनलैंड ने लगातार आठवीं बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हाल ही में प्रकाशित World happiness Report

2025 के मुताबिक, फिनलैंड के लोग दुनिया में सबसे ज्यादा खुश हैं। वहीं, इस रिपोर्ट में अमेरिका की रैंकिंग में रिकॉर्ड गिरावट आई है। अमेरिका ने अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए 24वीं रैंक हासिल की है। यूरोपीय देश ब्रिटेन में भी रिपोर्ट के मुताबिक, लोग कम खुश रह रहे हैं। फिनलैंड की तरह उत्तरी यूरोप के नॉर्डिक देशों ने हैपिनेस रिपोर्ट में टॉप किया है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन शीर्ष के देशों में शामिल हैं। हैपिनेस रिपोर्ट को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबिंग रिसर्च सेंटर ने प्रकाशित किया है। देशों की रैंकिंग उनके नागरिकों से बातचीत के आधार पर तय की गई है जिसमें उन्होंने बताया कि उनका जीवन स्तर कैसा है। यह स्टडी एनालिटिक फर्म Gallup और संयुक्त राष्ट्र की सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क के साथ पार्टनरशिप में तैयार की गई है।

स्मृति शेष

फॉर्मूला वन टीम के मालिक एडी जॉर्डन का निधन

फॉर्मूला वन टीम के मालिक रहे एडी जॉर्डन का 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका निधन दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन हुआ। उन्होंने वर्ष 1991 से 2005 के बीच अपनी स्वयं की एफ1 टीम का संचालन किया, उसके बाद वे

प्रसारणकर्ता की भूमिका में आ गए और बीबीसी तथा चैनल 4 के लिए काम करने लगे। 30 मार्च, 1948 को एडी जॉर्डन का जन्म डबलिन आयरलैंड में हुआ था।

प्रसिद्ध संगीतकार ऑरेलियो का निधन

रोआटन द्वीप से ला सेइबा की ओर जा रहा विमान होंडुरास तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें प्रसिद्ध संगीतकार ऑरेलियो मार्टिनेज समेत 12 लोगों की मौत हो गई। रोआटन द्वीप से ला सेइबा की ओर उड़ान भरते समय ही लांह्सा

एयरलाइंस का विमान क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने बताया कि विमान सही से उड़ान भर नहीं पाया था।

हैवीवेट चैंपियन जॉर्ज फोरमैन का निधन

अमेरिका के पूर्व दिग्गज हैवीवेट चैंपियन जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। अपने दौर के महान बॉक्सर फोरमैन 81 मैचों में रिंग में उतरे, जिसमें से सिर्फ पांच मुकाबले हारे। उनकी पहचान बेखौफ मुक्केबाज की थी। रिंग में

विरोधी भी उनसे कतराते थे। फोरमैन ने वर्ष 1973 में जो फ्रेजियर को हरा कर पहला वर्ल्ड हैवीवेट खिताब जीता। वर्ष 1974 में मोहम्मद अली को ललकारा लेकिन खिताब बचा नहीं पाए।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

(पृष्ठ 8 का शेष)

क्रम सं.	पदों के नाम	पदों की संख्या	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	शैक्षणिक योग्यता और अनुभव	आयु सीमा (आवेदन की अंतिम तिथि के अनुसार)
12.	ईसीजी तकनीशियन	1-एसटी	लेवल-5	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी विषय के साथ बीएससी. तथा कार्डियोलॉजी उपकरणों को संभालने में एक वर्ष का अनुभव. **या** किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्ष का डिप्लोमा तथा कार्डियोलॉजी उपकरणों को संभालने में एक वर्ष का अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
13.	स्वच्छता निरीक्षक	2 (1-यूआर, 1-एसटी)	लेवल-5	**आवश्यक:** मैट्रिकुलेशन या इसके समकक्ष, साथ ही किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से सेनेटरी इंस्पेक्टर प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र. **वांछनीय:**- संबंधित क्षेत्र में 3 वर्ष का अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं
14.	सुरक्षा गार्ड	1- यूआर	लेवल-2	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समकक्ष योग्यता तथा अच्छी शारीरिक बनावट (भूतपूर्व सैनिक को प्राथमिकता दी जाएगी).	30 वर्ष से अधिक नहीं
15.	रिकॉर्ड क्लर्क	1- ईडब्ल्यूएस	लेवल-2	**अनिवार्य:** 1. किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं कक्षा या समकक्ष योग्यता. 2. कंप्यूटर पर अंग्रेजी में प्रति मिनट 35 शब्द या हिंदी में प्रति मिनट 30 शब्द टाइपिंग की गति. (35 शब्द प्रति मिनट और 30 शब्द प्रति मिनट 10500 KDPH या 9000 KDPH के अनुरूप हैं, प्रत्येक शब्द के लिए औसतन पांच कुंजी अवसाद). **वांछनीय:** कम से कम तीन महीने की अवधि का कंप्यूटर में सर्टिफिकेट कोर्स.	30 वर्ष से अधिक नहीं
16.	ड्राइवर ग्रेड-III	1- ईडब्ल्यूएस	लेवल-2	**अनिवार्य:** 1. भारी वाहन चलाने के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए. 2. मोटर मैकेनिज्म का ज्ञान (उम्मीदवार को वाहनों में छोटी-मोटी खराबियों को दूर करने में सक्षम होना चाहिए) 3. कम से कम तीन साल तक मोटर वाहन (भारी वाहन सहित) चलाने का अनुभव. **वांछनीय:**- 1. 8वीं कक्षा उत्तीर्ण. 2. होमगार्ड/सिविल स्वयंसेवक के रूप में तीन साल की सेवा.	30 वर्ष से अधिक नहीं
17.	डार्क रूम सहायक	1-ईडब्ल्यूएस* * 1-ईडब्ल्यूएस पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित है, अर्थात (एएसडी (एम), आईडी, एसएलडी और एमआई या बहु दिव्यांगता (एमडी) खंड (ए) से (डी) के तहत व्यक्तियों में से आरक्षित है.	लेवल-2	**अनिवार्य:** किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय / बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समकक्ष. किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से रेडियोग्राफी में न्यूनतम एक वर्ष का डिप्लोमा / सर्टिफिकेट. **वांछनीय:** डार्क रूम सहायक के रूप में एक वर्ष का अनुभव.	30 वर्ष से अधिक नहीं

नीचे दिए गए खंड (ए) से (ई) के तहत पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित पदों के लिए श्रेणियां:

(ए) अंधापन और कम दृष्टि.

(बी) बधिर और कम सुनने वाले.

(सी) सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग से ठीक होना, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी सहित लोकोमोटर दिव्यांगता.

(डी) ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता , विशिष्ट सीखने की दिव्यांगता और मानसिक बीमारी.

(ई) बहरापन-अंधापन सहित खंड (ए) से (डी) के तहत व्यक्तियों में से एकाधिक दिव्यांगता.

PwBDs के लिए प्रयुक्त संक्षिप्ताक्षर: B—अंधा, LV—निम्न दृष्टि, D=बहरा, सुनने में कठिनाई, OA—एक भुजा, OL—एक पैर, BA-दोनों भुजाएं, BL-एक पैर, OAL=एक भुजा और एक टांग, BLOA—दोनों टांग और एक भुजा, BLA दोनों टांगें और भुजाएं, CP-सेरेब्रल पाल्सी, LC-कुष्ठ रोग ठीक हुआ, Dw-बौनापन, AAV-एसिड अटैक पीड़ित, MDy=मांसपेशियों की दुर्बलता, ASD-ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (M-हल्का, MoD-मध्यम), ID-बौद्धिक दिव्यांगता, SLD-विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, MI-मानसिक बीमारी, MD-एकाधिक दिव्यांगता, VI-दृष्टि बाधित, HI-श्रवण बाधित, LD लोकोमोटर दिव्यांगता.

आवेदन शुल्क:

ए) सामान्य/ओबीसी उम्मीदवार: 500/- रुपये (केवल पांच सौ रुपये)

बी) एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार: 250 (दो सौ पचास रुपये केवल)

सी) दिव्यांग व्यक्तियों को छूट दी गई है.

आवेदन शुल्क एक बार जमा करने के बाद किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा. निर्धारित शुल्क के बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा और उसे तुरंत खारिज कर दिया जाएगा.

सामान्य जानकारी : 1. सरकारी कर्मचारियों के लिए ऊपरी आयु सीमा भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों या आदेशों के अनुसार 5 वर्ष तक शिथिलनीय है.

2. एससी/एसटी/ओबीसी/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट सरकारी नियमों के अनुसार दी जाएगी, जहां पदों का आरक्षण केवल इन श्रेणियों के लिए है.

3. एसटी/एससी/ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षण भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार होगा.

4. वे व्यक्ति जो एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण की योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं और जिनके परिवार की सकल वार्षिक आय 8.0 लाख रुपये (केवल आठ लाख रुपये) से कम है, उन्हें आरक्षण के लाभ के लिए ईडब्ल्यूएस के रूप में पहचाना जाना है. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय और संपत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के तहत आरक्षण का लाभ उठाया जा सकता है. निम्नलिखित सक्षम प्राधिकारियों में से किसी एक द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र को ही उम्मीदवार के ईडब्ल्यूएस से संबंधित होने के दावे के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा:-

i. जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/सहकारी निर्वाचन अधिकारी/उपायुक्त/अतिरिक्त उपायुक्त/प्रथम श्रेणी वजीफा प्राप्त मजिस्ट्रेट/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त.

ii. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट.

iii. राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे न हो, और

iv. उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है.

5. केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/स्वायत्त संगठन के तहत काम करने वाले व्यक्तियों को अपना आवेदन पत्र एनओसी के साथ प्रस्तुत करना चाहिए. 6. ओबीसी श्रेणी के लिए आरक्षित पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को उचित प्राधिकारी से एक वैध (अप-टू-डेट) 'नॉन क्रीमी लेयर' प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा. 7. उम्मीदवार की पात्रता या अन्यथा के बारे में संस्थान का निर्णय अंतिम होगा. 8. आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तिथि उम्मीदवारों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी. 9. जिन आवेदकों के पास आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तक अपेक्षित योग्यता नहीं है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा. 10. किसी भी प्रकार की सिफारिश अयोग्यता होगी. 11. यदि पद के लिए आवेदन बड़ी संख्या में आते हैं, तो स्क्रीनिंग केवल उच्च अंक प्रतिशत वाले उम्मीदवारों तक ही सीमित रहेगी. 12. अधूरे आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा. 13. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता और अनुभव पूरा करने मात्र से उम्मीदवार को लिखित/ऑनलाइन परीक्षा के लिए बुलाए जाने का अधिकार नहीं मिल जाता. 14. संस्थान बिना कोई कारण बताए किसी भी उम्मीदवारी को अस्वीकार या स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है. 15. संस्थान उम्मीदवारों द्वारा भेजे गए किसी भी आवेदन के प्राप्त न होने के लिए जिम्मेदार नहीं होगा. 16. संस्थान किसी भी प्रशासनिक कारण से विज्ञापन को रद्द या स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है. 17. क्वार्टर की कमी के कारण, संस्थान चयनित उम्मीदवारों को क्वार्टर उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं हो सकता है. यदि क्वार्टर उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो अधिकारी निर्धारित नियमों के अनुसार मकान किराया भत्ते (एचआरए) का हकदार होगा.

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे इस विज्ञापन के तहत संस्थान की वेबसाइट **http://www.neigrihms.gov.in** पर जाकर या सीधे लिंक **https://hllneigrihms.cbtexam.in/** के माध्यम से दिए गए लिंक के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन करें और आवेदन पत्र के लिए संस्थान को न लिखें. सभी आवेदकों को पद की आवश्यक आवश्यकताओं और विज्ञापन में निर्धारित अन्य शर्तों को पूरा करना होगा. उन्हें सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले खुद को संतुष्ट कर लें कि उनके पास कम से कम आवश्यक योग्यताएं हैं और विभिन्न पदों के लिए निर्धारित आवश्यक अनुभव मानदंड, जहां भी लागू हो, को पूरा करते हैं. उम्मीदवार को अपने रिकॉर्ड के लिए आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेना चाहिए और संस्थान द्वारा मांगे जाने पर किसी भी स्तर पर संस्थान में जमा करना चाहिए.

ऑनलाइन आवेदन की प्रारंभिक तिथि: 22.03.2025

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 20.04.2025

उप निदेशक (प्रशासन), NEIGRIHMS

APPOINTMENT

SACRED HEART COLLEGE OF ARTS & SCIENCE
Affiliated to DAVV, Indore & Rec. by The Govt. of M.P.
Mission Road, Dhani, Dhamond
Dist. - Dhar (M.P.)-454552
E-mail : sacredheartcollegedhani@gmail.com
Mo. : 6262630202

FACULTY REQUIRED FOR

M.A. (Political Science), B.A. - Plain and Computer Application, B.Sc.- Plain & Computer Science

Principal-1, Chemistry-1, Botany-1, Zoology-1, Computer Science-1, Economics-1, History-1, Political Science-1, Sociology-1, Hindi-1, English-1, Librarian-1, Sports Officer-1

Appointment shall be done as per UGC norms and under Code-28 of DAVV, Ph.D. or Net/Set qualified candidates will be given first priority.

Interested candidates may mail or contact with resume other testimonials and two lateest passport size photo **within 15 days**.

R-50746/2025 **MANAGEMENT**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M. P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./3886/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 28.03.2025

NOTICE INVITING TENDER EL-87

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Khargone	1	116257.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **04.04.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **21.04.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/119453/2025 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50749/2025

पाणिग्रहण संस्कार 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण - मुख्यमंत्री

अलीराजपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अलीराजपुर में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाणिग्रहण संस्कार, 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण है। आज अलीराजपुर में 1369 नव दम्पतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 7 करोड़ 52 लाख रुपये की राशि कन्यादान के रूप में दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी वर (दूल्हों) से कहा कि हम बेटियों के रूप में अपने घर की रौनक आपको सौंप रहे हैं, इनका ख्याल रखना अब आपका दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अलीराजपुर के कलेक्टर को निर्देशित किया कि 220 केवी ग्रिड, ककराना घाट एवं कन्या खेल परिसर का प्रपोजल भेजें, जिसे अविलंब स्वीकृत किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प वर्षा कर सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल नव-दंपतियों के परिजन का स्वागत किया।

आर्थिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिसम्बर 2024 में अलीराजपुर जिले को मिली लगभग 2000 करोड़ रुपये की सोंडवा उद्वहन परियोजना से 169 गांवों को सिंचाई के लिए जल प्राप्त होगा। प्यासे खेत को जब पानी मिलेगा तो सोने के समान फसल प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ईमेल : apdpiuindore@gmail.com, फैक्स : 0731-4989768

क्र.एफ-3/सामान्य/निविदा प्रकाशन/मु.अ. (भवन) इंदौर/2025/एनआईटी-29/774 इंदौर, दिनांक : 24.03.2025

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 29/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र. द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग (भवन) खरगोन के अंतर्गत छूटे हुये, मरम्मत मायनर एवं परफार्मेंस ग्यारंटी के तहत विभिन्न भवनों का निर्माण/उन्नयन कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_411248_1	खरगोन	200.00	2,00,000	12,500	18
क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. उज्जैन जिला उज्जैन में 100 सीटेड श्रमिक विश्राम गृह (रैन बसेरा) भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_411238_1	उज्जैन	455.57	4,55,570	15,000	18
क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन माधवनगर विकासखण्ड उज्जैन का 200 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन का उन्नयन/निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_411214_1	उज्जैन	1925.84	10,00,000	30,000	24
क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. कंठाल चौराहा उज्जैन में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड भवन का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_411185_1	उज्जैन	90.32	90320.00	10,000	10

निविदा संबंधित तिथियां (Key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 21.03.2025
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 22.03.2025
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **07.04.2025**
4. बिड खोलने की तिथि - 09.04.2025

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-24787/50734/2025 लो.नि.वि. परिक्षेत्र इंदौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 30/व.ले.लि./निविदा/2024-2025 रीवा, दिनांक : 24.03.2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्र. 2. कार्यावधि सहित/छोड़कर
1	PWDRB 411315	उपसंभाग क्रमांक-1 रीवा के अंतर्गत अगढाल महिदल मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	274.23	1. 274230/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 10 माह वर्षाकाल सहित
2	PWDRB 411316	उपसंभाग क्रमांक-3 रीवा के अंतर्गत जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में पटना हरदयाल पाण्डेय के घर से देवनारायण पाण्डेय के घर तक पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	203.18	1. 203180/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 08 माह वर्षाकाल सहित
3	PWDRB 411317	उपसंभाग त्योंथर के अंतर्गत जवा गांधी रोड सोहरवा से रेही खटखरी पहुंच मार्ग लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	287.04	1. 287040/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 10 माह वर्षाकाल सहित
4	PWDRB 411318	उपसंभाग मनगवां के अंतर्गत जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान उमरी पी.एम.जी.एस.वाय. फुरही नाला पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	309.13	1. 309130/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 10 माह वर्षाकाल सहित
5	PWDRB 411319	उपसंभाग त्योंथर के अंतर्गत नस्तीगवां से कांटी कंचनपुर मार्ग देवखर से कोनी पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. का निर्माण कार्य	400.27	1. 400270/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 12 माह वर्षाकाल सहित
6	PWDRB 411320	उपसंभाग त्योंथर के अंतर्गत धिशकर पडनिया से बसंती बटोला मार्ग घोडसर परसिया बसंती बहेरा मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	494.54	1. 494540/- 2. 15000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 12 माह वर्षाकाल सहित
7	PWDRB 411321	विशेष मरम्मत के अंतर्गत कर्मचारी संघ ऑफिस कोठी कम्पाउण्ड रीवा का मरम्मत कार्य।	3.84	1. 7680/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह वर्षाकाल सहित
		कुल योग	**1972.23**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 15.04.2025 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-24820/50737/2025 लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1138/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 21.03.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.04.2025** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_ WRD_ 411284	**टर्न की पद्धति पर :-** चिपाखेड़ी बैराज कम कॉजवे, ठान बैराज कम कॉजवे, दोंदवाड़ा बैराज, कालीकुण्डी बैराज, थिगली बैराज नं.-2, कुण्डिया तालाब (नहर रहित) एवं मालवन तालाब (नहर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	बड़वानी	3507.86

जी-24809/50736/2025 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्ययोजना अनुसार समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करें

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभागृह में सिंहस्थ के प्रगतिरत कार्यों और सिंहस्थ कार्ययोजना की समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सभी विभाग निविदा स्वीकृत होने के 24 घंटे मे एलओए जारी करें और निविदा के कार्य में भी तेजी लाए। बैठक में मुख्य सचिव ने जल संसाधन विभाग के शिप्रा घाट निर्माण के निविदा कार्य में देरी होने के कारणों की जांच करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। सभी विभाग सिंहस्थ कार्यों की गुणवत्ता जांच समय-समय पर की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ से संबंधित कार्यों में केंद्र सरकार के मंत्रालयों और रेलवे की अनुमति लंबित है, उन सभी कार्यों की सूची बनाकर शासन को भेजे जिससे मंत्रालय स्तर से सीधे चर्चा कर अनुमति प्राप्त की जा सके। एनएचएआई भी सिंहस्थ के सभी कार्यों की सूची बनाकर शासन को भेजे जिससे स्वीकृतियां शासन स्तर पर चर्चा कर शीघ्र प्राप्त हो।

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, जबलपुर

डुमना एयरपोर्ट रोड, आईआईआईटीडीएम के पास, पी.ओ. खमरिया-482005, जबलपुर
Website : sihmjbp.mp.gov.in, E-mail : principal.sihmjbp@mp.gov.in.
Phone : 0761-2639400, Mobile - 9407124391

No./174/SIHM/JBP/2025 Jabalpur, Date : 27.03.2025

Advertisement for Recruitment (Short Term Contract)

The institute invites applications for the post of Lecturer on Short Term Contract basis -

No.	Post	No. of Post/ Category	Consolidated Fix Pay	Maximum Age	Eligibility Criteria (Eduction Qualifications & Experience etc.)
1.	Lecturer (On Short Term Contract)	06 03 UR 02 OBC 01 ST	Consolidated Pay Rs. 45,000/- per month (on contract basis)	Not exceeding 40 years as on 21.04.2025	Please visit website www.sihmjbp.mp.gov.in for more detail

Note -

1. Last date of receiving application is **21.04.2025.**
2. Send your application in the prescribed format (which is available on our website **www.sihmjbp.mp.gov.in)** along with passport size photo and self-attested copies of certificates on or before 21.04.2025 to The Principal/Secretary, State Institute of Hotel Management, Near IIITDM College, Dumna Airport Road, P.O. Khamaria, Jabalpur-482005 Madhya Pradesh by speed post only.
3. The competent authority reserves the right to postponed/cancel the advertisement or accept/reject any application and fill/not fill/partly fill advertised post without assigning any reason(s).

Secretary/Principal

R-50738/2025 **State Institute of Hotel Management Jabalpur**

RAMAKRISHNA VIVEKANANDA VIDYAPEETH

Kapildhara Colony, P.O. Bijuri, Distt. Anuppur-484440 (M.P.)
(Sr. Secondary CBSE English Medium School)
Sponsored by SECL, Bilaspur (C.G.), Phone : 8319563173, 7587665509
E-mail : rkvvbijurioffice@rediffmail.com, Website : www.rkvvbijuri.org

INTERVIEW NOTICE

Applications are invited for the following posts on purely temporary/part-time contract basis for the academic session 2025-26.

Sl. No.	Particulars of Post	No. of Post	Essential Qualification
1.	PRT (Maths)	1	Senior Secondary certificate with atleast 50% marks alongwith a two year Diploma in Elementary Education (D.El.Ed) or a Bachelor of Elementary Education (B.El.Ed) and passing the Central Teacher Eligibility Test (CTET) conducted by CBSE.
2.	PRT (Hindi)	1	
3.	PRT (Sanskrit)	1	
4.	PRT (Computer)	1	Graduate or Post Graduate from recognized University/ Institute in relevant subject with 50% marks. BCA/MCA/ M.Sc. (Computer Science), M.Sc. (Electronics with Computer Science Component)/M.Sc. (IT)/B.Sc. (Computer Science) OR 'A'/'B'/'C' Level from DOEACC. Candidates who are qualified for CTET are given preference.
5	Special Educators (Elementary Primary and Upper level)	1	1. XII passed and two year D.Ed. Special education in any of the category of disability. OR 2. XII passed and one year diploma in special education (DSE) in any of the category disability. OR 3. Diploma in community based rehabilitation (DCRB) with six months certificate course in education of children with special needs. OR 4. Post graduate diploma in community based rehabilitation with six months certificate course in education of children with special needs. OR 5. Diploma in Multi rehabilitation worker with six months certificate course in education of children with special needs OR 6. Junior diploma in teaching the deaf OR 7. Primary level teacher teaching course in visual impairment. OR 8. Diploma in vocational rehabilitation mental retardation (DVR-MR)/diploma in vocational training and employment mental retardation (DVTE-MR) with six months certificate course in education of children with special needs. OR 9. Diploma in hearing language and speech with six months certificate course in education of children with special needs. OR 10. XII passed with RCI recognized qualification for minimum one year duration and six months with special needs.
6.	Balvatika/ Mother-Teacher (Female only)	4	Senior Secondary certificate with atleast 50% marks alongwith Diploma in Nursery Teacher Education/Pre-school Education/ Early Childhood Education (D.E.C.Ed) of a minimum duration of two years or B.Ed. (Nursery) from NCTE recognized institution.
7.	UDC	1	Graduate with 50% marks in any discipline with knowledge of MS office, Fluent in English, Computer typing speed 35 wpm (Hindi & English), knowledge of rules and regulation of school administration.

Note : (1) Teaching experience in English Medium school will be preferred. (2) Working in computer is essential for all the posts. (3) Wages as per RKVV school norms. (4) Free accommodation will be provided as and when available. (5) Experience 2 to 3 years for all post will be preferred. (6) Interested applicants should download the application form, from the school website, fill it completely and send it along with self-attested photocopies to the school address **till 20th April, 2025.** (7) Only shortlisted candidates will be called for interview. (8) The Management reserves all the rights within themselves to accept/reject any application/interview without assigning any reason thereof. (9) All posts are on part time contractual basis and no claim will be accepted for regular post. (10) For PRT's and Balvatika/Mother-Teacher's, in the case of unavailability of required qualifications, higher qualification may be considered. (11) No TA/DA will be paid for attending the interview.

The candidates without the required qualification NEED NOT attend the interview.

PRINCIPAL/DIRECTOR

R-50751/2025 **RKVV, Bijuri**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल : cepwdwest@mp.nic.in, दूरभाष : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 09/सा./40/निविदा/2024-25 इंदौर, दिनांक 27.03.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्र.	पोर्टल क्र.	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित राशि रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1.	2025_ PWDRB_ 412563	अलिराजपुर	निचवास से ताड़अम्बा फलिया मार्ग लम्बाई 10.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। मय विद्युत कार्य सहित।	1052.36	1000000/-	30000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	2025_ PWDRB_ 412564	खरगोन	उपसंभाग मण्डलेश्वर के अंतर्गत महेश्वर से बारहद्वारी मार्ग का चौड़ीकरण/उन्नयन कार्य मय विद्युत कार्य सहित। कुल मार्ग लम्बाई 06.10 कि.मी.।	716.51	716510/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
	महायोग			**1768.87 लाख**			

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर, क्रय किए जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.04.2025 समय 17:30 तक निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जाएगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जाएं।

मुख्य अभियंता

जी-24918/50747/2025 **लो.नि.वि. इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर**

मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग

सूचना भवन, 35-बी, अरेरा हिल्स, भोपाल 462011
फोन: 0755-2556878,71, Website: sic.mp.gov.in, Email: ussicbho@mp.gov.in

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

म.प्र.शासन, सामान्य प्रशासन विभाग ने दिव्यांगजन (दृष्टिबाधित) हेतु आरक्षित पद की पूर्ति हेतु अधिसूचना क्रमांक/एफ-3/2/1/0043/2023/सूअप्र/एक-9 दिनांक 14.11.2024 के पालन में दिव्यांगजन के रिक्त पद (दृष्टिबाधित - एक पद) की पूर्ति हेतु दिनांक 23.12.2024 को विज्ञापन क्रमांक जी- 20664/24 जारी किया गया। जारी विज्ञापन के संदर्भ में प्राप्त आवेदनों के परीक्षणोपरांत पात्र-अपात्र उम्मीदवारों की सूची आयोग की **वेबसाइट : https://sic.mp.gov.in/career.php** पर प्रदर्शित की गयी है। इस संबंध में किसी उम्मीदवार को आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के **10 दिवस के भीतर** प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

जी-24921/50748/2025 (राजेश कुमार ओगरे) सचिव, राज्य सूचना आयोग, भोपाल

स्पेस पॉलिसी के निर्माण और प्रदेश में इसरो के केंद्र के लिए होंगे प्रयास - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में वर्चुअल भागीदारी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में हो रहे राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन, विज्ञान उत्सव और चालीसवें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल रूप से शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति के अनेक रहस्य सुलझाने की क्षमता विज्ञान में है। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अनेक क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। फार्मिंग से लेकर फायनेंस तक मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मेडिसिन तक और एजुकेशन से लेकर कम्यूनिकेशन तक प्रत्येक क्षेत्र का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत एक दशक में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है। राष्ट्र में एक नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की विजनरी नीति का ही परिणाम है कि भारत डिफेंस और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में गलोबल लीडर बन रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही स्पेस पॉलिसी बनाई जाएगी। प्रदेश में इसरो के केंद्र की शुरुआत के लिए भी मंथन प्रारंभ किया गया है। हाल ही में जीआईएस के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित 4 नीतियों को लागू करने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रदेश को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। हाल ही में इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट अर्थात स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग करते हुए इतिहास रच दिया है। इसके लिए इसरो की टीम बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। प्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है। मध्यप्रदेश में ड्रोन के माध्यम से राजस्व के क्षेत्र में भी नक्शे बनाने की शुरुआत की गई है। रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण का पायलेट प्रोजेक्ट शुरू हुआ। प्रदेश के अन्य शहरों में भी जमीन, भूखण्ड और बस्तियों का डिजिटल नक्शा बनाने की पहल हुई है। इससे संपत्ति के स्वामित्व के रिकार्ड्स रखना आसान होगा। अनेक क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग कार्यों को आसान बना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति भी विज्ञान आधारित है। हम अनेक शुभ कार्य नवग्रह पूजन से प्रारंभ करते हैं। विक्रम संवत् 2082 आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के काल से लेकर अब तक उज्जैन के इतिहास, कला, संस्कृति और अध्यात्म के साथ ही विज्ञान के केंद्र होने का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी उज्जैन को काल गणना के केंद्र के रूप में जानते हैं। इस संबंध में भी निरंतर अनुसंधान हो रहा है। हम नूतन का स्वागत करते हुए पुरातन परम्पराओं को भी साथ रखते हैं।

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र हैदराबाद के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव वैज्ञानिक सोच रखते हैं, जिस तरह देश डिफेंस प्रोडक्शन, स्पेस और बॉयोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, मध्यप्रदेश भी इन क्षेत्रों में प्रयासरत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पेस पॉलिसी-2023 लाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ऐसे चंद मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं जो इस क्षेत्र में नवाचार के लिए उत्साहित हैं। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिए शीघ्र ही मेपकास्ट के सहयोग से अनुबंध किया जाएगा। कृषि बीमा योजना जैसे कार्य स्पेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो रहे हैं।

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

(मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड)

विज्ञप्ति

क्रमांक/एमपीएसएसडीईजीबी/एससीवीटी/2025/614 **भोपाल, दिनांक : 21.03.2025**

विषय : नवीन आईटीआई प्रारंभ किये जाने, संचालित आईटीआई में ट्रेड/यूनिट बढ़ाने एवं आईटीआई के स्थानांतरण हेतु निमी पोर्टल पर आवेदन किये जाने हेतु विज्ञप्ति जारी करने के संबंध में।

1. महानिदेशालय, (डीजीटी) नई दिल्ली द्वारा नवीन आईटीआई प्रारंभ किये जाने, संचालित आईटीआई में ट्रेड/यूनिट बढ़ाने एवं आईटीआई के स्थानांतरण हेतु निमी पोर्टल **(https://nimionlineadmission.in/iti/)** पर आवेदन किये जाने के लिये पोर्टल **दिनांक 17.03.2025 से 30.04.2025 तक** खोला गया है।
2. आवेदक द्वारा एफिलियेशन Manual 2018 के नियमानुसार एवं डीजीटी नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश एवं नार्म्स अनुसार ही आवेदन किया जाना होगा।
3. आवेदक को निमी पोर्टल पर आवेदन करने के पूर्व मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड, भोपाल से एनओसी प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
4. आवेदक द्वारा मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड, भोपाल से दिनांक 17.03.2025 से 21.04.2025 तक NOC हेतु आवेदन केवल रजिस्टर्ड डाक द्वारा मान्य किये जावेंगे।
5. आवेदक को विभाग के नियमानुसार दस्तावेजों की सत्यता हेतु स्व-प्रमाणीकरण प्रस्तुत करने पर समिति की स्क्रूटनी के उपरांत ही NOC की कार्यवाही की जावेगी -

- नवीन आईटीआई प्रारंभ करने हेतु Annexure-1 अनुसार
- पूर्व से संचालित आईटीआई में ट्रेड/यूनिट बढ़ाने हेतु Annexure-2 अनुसार
- आईटीआई के स्थान परिवर्तन हेतु Annexure-3 अनुसार

Annexure 1, 2, 3 एवं स्व-प्रमाणीकरण हेतु प्रपत्र तथा डीजीटी नई दिल्ली का एफीलियेशन Manual 2018 विभाग के डीएसडी पोर्टल **dsd.mp.gov.in** पर उपलबध है।

संयुक्त संचालक
कौशल विकास म.प्र.

जी-24718/50729/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड खुरई जिला सागर म.प्र.

(Email Id : khuraieephed@gmail.com)

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदायें ई टेंडरिंग पद्धति से पोर्टल पर खण्ड खुरई जिला सागर में निम्नलिखित कार्यों हेतु आमंत्रित की जाती हैं :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 01. Balance work of Survey, Investigation and Necessary Construction works required for Execution of Retrofitting PWS Scheme of villages Jerai, Kodni and Khakron of Block Rahatgarh Distt. Sagar

निविदा क्र./ दिनांक	प्रणाली निविदा क्रमांक	विकास खण्ड	निविदा की लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
34/ 20.03.25	2025_PHED_ 410885_1	Rahatgarh	64.99	64990	10000	6 Months	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 02. Balance work of Survey, Investigation and Necessary Construction works required for Execution of Retrofitting PWS Scheme of villages Barodiya Ballabh, Kanera Nikhar and Luharra of Block Rahatgarh Distt. Sagar

निविदा क्र./ दिनांक	प्रणाली निविदा क्रमांक	विकास खण्ड	निविदा की लागत (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
35/ 20.03.25	2025_PHED_ 410887_1	Rahatgarh	72.99	72990	10000	6 Months	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि	:	24.03.2025
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय कर अपलोड करने की अंतिम तिथि	:	**04.04.2025**
ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि	:	07.04.2025

निविदा फार्म उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से ही क्रय किये जा सकते हैं। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी विभागीय ई-टेण्डर पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड खुरई जिला सागर (म.प्र.)

जी-24728/50730/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र.1 सागर

फोन नं. : 07582-222296, ईमेल आई.डी. :eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं.-17/2024-25/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 24.03.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. मालथौन रेस्ट हाउस में 02 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित अनुमानित लागत रु. 82.22 लाख।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
2025_PWDRB_ 411632_1	सागर	8222000	82220	10000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. हवला चौराहा से लुहारी स्कूल जैन मंदिर व्हाया ग्राम बहेरिया लं. 4.20 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु. 309.95 लाख।						
2025_PWDRB_ 411634_1	सागर	30995000	309950	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
		39217000				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 25.03.2025 समय 10.00 से **दिनांक 07.04.2025** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ.स.) संभाग क्र.1 सागर

जी-24780/50732/2025

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय

बाणगंगा मार्ग भोपाल-462003 (मध्यप्रदेश)

वेबसाइट : www.archaeology.mp.gov.in, ईमेल : mparchaeology@gmail.com

No. 6183/cons/2025 **Bhopal, Dated : 24.03.25**

Request of Proposal (RFP)

"Selection of Agency for Manpower Services"

Directorate of Archaeology, Archives and Museums, Bhopal invites online proposals from suitable agencies for Manpower Services.

For detail scope of work and other terms and conditions. please refer the RFP document available at **https://mptenders.gov.in.** Proposal has to be submitted through online mode through **https://mptenders.gov.in** portal only.

An interest agency who qualifies as per the criteria mentioned in the RFP document may submit their proposals only online through the e-tendering Portal latest by **07.04.205 till 5.00** pm.

Deputy Director
Archaeology, Archives and Museums, Bhopal
Phone : 9425772682

G-24770/50731/2025

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश

ईमेल : dirfood@mp.nic.in, दूरभाष क्रमांक : 0755-2551473, 2551475

विशेष अभियान के तहत निःशक्तजनों के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की भर्ती हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक दिनांक 04.1.2024 के प्रावधानों अनुसार विशेष अभियान के तहत निःशक्तजनों के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की पूर्ति वाक इन इण्टरव्यू के माध्यम से किए जाने हेतु ऑफलाइन आवेदन विज्ञापन क्रमांक जी-21362/2024 दिनांक 10.01.2025 द्वारा दिनांक 15.01.2025 तक चाहे गए थे। एवं उक्त तिथि में विज्ञापन क्रमांक जी-21713/5480/2025 दिनांक 16.1.2025 द्वारा 31.01.2025 तक वृद्धि की गई थी। उक्त विज्ञापन को एतद द्वारा निरस्त किया जाता है। इसमें प्राप्त ऑफलाइन समस्त आवेदन भी निरस्त माने जाते हैं।

पुनः विशेष अभियान के तहत निःशक्तजनों के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की पूर्ति वाक इन इण्टरव्यू के माध्यम से किए जाने हेतु विज्ञापन क्रमांक जी-22595/24 दिनांक 05.2.2025 द्वारा ऑनलाइन आवेदन एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से दिनांक 20.02.2025 तक चाहे गए थे जिसमें विज्ञापन में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि जिन आवेदकों द्वारा ऑफलाइन आवेदन किया है उन्हें ऑनलाइन आवेदन किया जाना अनिवार्य होगा। आवेदक के हितों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन हेतु विज्ञापित अंतिम तारीख दिनांक 20.02.2025 में एतद द्वारा **दिनांक 09.04.2025 तक** की वृद्धि की जाती है। वाक इन इण्टरव्यू की सूचना संबंधितों को पृथक से दी जावेगी।

संयुक्त संचालक
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मध्यप्रदेश भोपाल

जी-24795/50735/2025

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, कूनो वन्य प्राणी वनमण्डल, श्योपुर (म.प्र.)

पता - शिवपुरी रोड , श्योपुर-476337, Phone No. : 07530-220004
Email : dfokunowls@mp.gov.in, ddkuno@gmail.com

विज्ञप्ति प्रारूप

कूनो वन्यजीव वन मण्डल, श्योपुर के अंतर्गत 01 वन्यजीव चिकित्सक सहायक को 01 वर्ष के लिये संविदा पर नियुक्ति हेतु ऑफलाइन एवं **Google Form** के माध्यम से **दिनांक 14.04.2025 सायं 05.00 बजे तक** आवेदन चाहे गये हैं। निर्धारित दिनांक 14.04.2025 को सायं 05.00 बजे तक प्राप्त आवेदनों को संविदा नियुक्ति संबंधी कार्यवाही में सम्मिलित किया जावेगा। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। पात्र आवेदकों को साक्षात्कार के दिनांक की सूचना पृथक से दी जावेगी।

अर्हता :		
शैक्षणिक योग्यता	:	भारत या विदेश के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.व्ही.एस.सी. एण्ड ए.एच. पशु चिकित्सा विज्ञान स्नातक की उपाधि तथा भारतीय पशु चिकित्सा परिषद अधिनियम 1964 (1984 का 52) के अधीन पंजीकृत हो।
शैक्षणिक अर्हता	:	(1) भारतीय पशु चिकित्सा विज्ञान में प्राप्त स्नातक उपाधि। (2) भारतीय/मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् में पंजीयन। (3) वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि/डिप्लोमा को प्राथमिकता। (4) वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन में दो वर्ष के अनुभवी को प्राथमिकता।
मासिक मानदेय	:	56,100/- प्रतिमाह (मकान किराया भत्ता सहित)

(आर. थिरूकुरल)
भा.व.से.
वनमण्डलाधिकारी,
कूनो वन्यप्राणी वनमण्डल, श्योपुर

जी-24784/50733/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता

लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. : 0734-2524462, ईमेल : cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 08/सामान्य/मु.अ./2024-25/ **उज्जैन, दिनांक : 21.03.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	मंदसौर	2025_PWDRB_ 411201_pack1	शामगढ़ बायपास मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 5.50 कि.मी. विद्युतिकरण कार्य सहित।	1169.07	18 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 11.04.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

जी-24692/50727/2025

मध्यप्रदेश का GYAN बजट 2025-26

विकसित भारत का एक क्रांतिकारी संकल्प

12 मार्च, 2025 को मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4,21,032 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट पेश किया। यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प को साकार करने का एक शानदार दस्तावेज है, जो GYAN फ्रेमवर्क- G-गरीब, Y- युवा, A-अन्नदाता, और N-नारी पर आधारित है। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत यह बजट पिछले वर्ष (रुपये 3,65,067 करोड़) से 15 प्रतिशत अधिक है। इसमें 2,90,879 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां और 85,076 करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है। इसका लक्ष्य 2047 तक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) को 250 लाख करोड़ रुपये और प्रति व्यक्ति आय को 22.35 लाख रुपये तक ले जाना है।

बजट का उद्देश्य- एक आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का स्वप्न

यह बजट मध्यप्रदेश को समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने का एक रोडमैप है। कोई नया कर नहीं लगाया गया, जो हर नागरिक के लिए राहत की सौगात है। राजस्व अधिशेष 618 करोड़ रुपये और राजकोषीय घाटा 78,902 करोड़ रुपये (GSDP का 4.66 प्रतिशत) अनुमानित है। यह बजट आर्थिक सुधारों को गति देगा, सामाजिक न्याय को मजबूत करेगा और सतत विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। GYAN के चार मजबूत स्तंभ हर वर्ग को सशक्त करने का वादा करते हैं, जिससे मध्यप्रदेश एक नया इतिहास रचेगा।

G - गरीब
गरीबी पर विजय का शंखनाद

मध्यप्रदेश में गरीबी अब एक चुनौती नहीं, बल्कि अतीत बनने की राह पर है। G - गरीब इस बजट का पहला और सबसे शक्तिशाली स्तंभ है, जो गरीबों को आवास, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का ऐसा कवच देता है, जो उनके जीवन को सम्मान और आत्मनिर्भरता की रोशनी से भर देगा। 4,21,032 करोड़ रुपये का यह बजट हर गरीब के लिए एक नई सुबह का वादा करता है- एक ऐसी सुबह जहां हर परिवार को गरिमा और अवसर मिले। यह सामाजिक क्रांति का शंखनाद है, जो गरीबों को समाज की मुख्यधारा में लाने का संकल्प है। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि एक नया जीवन देने का प्रयास है, जहां गरीब अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य का सपना देख सकें।

आवास का अधिकार : नगरीय क्षेत्रों में 1,700 करोड़ रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 4,400 करोड़ रुपये से कुल 6,100 करोड़ रुपये का आवंटन। यह योजना गरीबों को पक्के मकान देकर उनकी जिंदगी में स्थिरता लाएगी- एक ऐसा घर जो सिर्फ आश्रय नहीं, बल्कि उनकी पहचान और सुरक्षा का प्रतीक बनेगा। नगरीय विकास के लिए 18,715 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। 'पीएम-जनमन' के तहत 1,100 करोड़ रुपये आवास और 1,056 करोड़ रुपये सड़कों के लिए हैं, जो जनजातीय गरीबों को मूलभूत सुविधाएं देकर उनके जीवन को आसान बनाएगा। यह कदम ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी को कम करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

स्वास्थ्य की ढाल : स्वास्थ्य के लिए 23,535 करोड़ रुपये का आवंटन गरीबों के लिए एक जीवन रेखा है। आयुष्मान योजना के लिए 2,039 करोड़ रुपये से लाखों परिवारों को मुफ्त उपचार मिलेगा, जिससे गरीबों को इलाज के लिए कर्ज लेने की मजबूरी खत्म होगी और वे सम्मान के साथ जी सकेंगे। 'सी.एम. केयर योजना' गंभीर बीमारियों से जूझ रहे गरीबों को सहारा देगी, ताकि वे बीमारी से नहीं, बल्कि उम्मीद से जिएं। स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा, जिससे गरीबों को नजदीकी इलाज की सुविधा मिलेगी। यह स्वास्थ्य को अधिकार बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सामाजिक सुरक्षा का आधार : सामाजिक पेंशन एवं राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के लिए 4,066 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें 55.60 लाख वृद्ध, विधवा, नि:शक्त, विकलांग और अन्य जरूरतमंद हितग्राहियों को मासिक सहायता मिलेगी, जो उनकी जिंदगी में आर्थिक सुरक्षा की नींव रखेगी और उन्हें आत्मसम्मान देगी। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के लिए 7,132 करोड़ रुपये से 1.33 करोड़ परिवारों को मुफ्त अनाज मिलेगा-यह भूख के खिलाफ एक जंग है, जो गरीबों को भोजन की गारंटी देती है। अनुसूचित जनजाति के लिए 47,295 करोड़ रुपये और अनुसूचित जाति के लिए 32,633 करोड़ रुपये का प्रावधान सामाजिक समानता को बढ़ावा देगा। 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान है। इससे जनजातीय गांवों का विकास होगा। 'आकांक्षा योजना' के लिए 20.52 करोड़ रुपये से गरीब बच्चों को शिक्षा का सपना साकार होगा। 'आहार अनुदान योजना' से 2.20 लाख महिलाओं को पोषण का सहारा मिलेगा। यह सभी योजनाएं गरीबों को सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि एक नया जीवन जीने का हौसला देती हैं।

Y - युवा : युवा क्रांति का उद्घोष

परिचय - मध्यप्रदेश के युवा इस बजट के सच्चे सितारे हैं- यह उनकी ऊर्जा को आसमान छूने का मंच है। Y - युवा GYAN का दूसरा स्तंभ है, जो रोज़गार, शिक्षा, कौशल और खेल के जरिए युवाओं को सशक्त करता है। 4,21,032 करोड़ रुपये का यह बजट युवाओं को आत्मनिर्भरता की राह दिखाएगा और मध्यप्रदेश को प्रगति का नया सूरज बनाएगा। यह युवा शक्ति को देश का भविष्य बनाने का एक जोशीला उद्घोष है, जहां हर युवा अपने सपनों का मालिक बने। यह बजट युवाओं को नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाने का संकल्प है, जो मध्यप्रदेश को औद्योगिक और शैक्षिक केंद्र बनाएगा।

रोज़गार का नया युग : 39 नए औद्योगिक क्षेत्रों से 3 लाख रोजगार सृजित होंगे। औद्योगिक प्रोत्साहन के लिए 3,250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह युवाओं को नौकरी का सुनहरा मौका देगा और प्रदेश को औद्योगिक हब बनाएगा। 'मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना' के अंतर्गत 5 हजार 675 लाभार्थियों को करीब 378 करोड़ का ऋण दिया गया है, जो उन्हें उद्यमी बनाकर अपने पैरों पर खड़ा करेगा और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगा। निवेश प्रोत्साहन नीति से 5 साल में 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश और 2 लाख रोज़गार आएंगे- यह युवाओं को भविष्य की ओर ले जाने वाला एक बड़ा कदम है।

शिक्षा का उजाला : 'सीएम राइज स्कूल' के लिए 3,068 करोड़ रुपये से शिक्षा में क्रांति आएगी, जो हर युवा को ज्ञान का हथियार देगी और उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाएगी। नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें (124 करोड़ रुपये), PM-श्री योजना (430 करोड़ रुपये), साइकिल प्रदाय योजना (215 करोड़ रुपये) और शाला भवनों का रखरखाव (228 करोड़ रुपये) शिक्षा को हर गांव तक ले जाएंगी, ताकि कोई भी युवा पढ़ाई से वंचित न रहे। अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए 803 करोड़ रुपये और अनुसूचित जाति छात्रों के लिए 1,019 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति, साथ ही 193 करोड़ रुपये से छात्रावास, गरीब युवाओं को पढ़ाई का रास्ता आसान करेंगे। यह शिक्षा को सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि शक्ति बनाने का प्रयास है।

कौशल और खेल का जोश : प्रत्येक संभाग में 'मध्यप्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' युवाओं को तकनीकी कौशल से लैस करेगा, जो उन्हें भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करेगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम के लिए 25 करोड़ रुपये से खेल का मैदान तैयार होगा, जो युवाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकने का मौका देगा और उनकी प्रतिभा को निखारेगा। पर्यटन और संस्कृति के लिए 1,610 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोज़गार के अवसर भी सृजित होंगे।

A - अन्नदाता - अन्नदाताओं की समृद्धि का महायज्ञ

परिचय - मध्यप्रदेश के अन्नदाता इस बजट के असली हीरो हैं- यह उनकी मेहनत को सोने में बदलने का एक पवित्र संकल्प है। A - अन्नदाता GYAN का तीसरा स्तंभ है, जो किसानों को समृद्धि, सम्मान और संसाधनों का ऐसा भंडार देता है, जो खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। 4,21,032 करोड़ रुपये का यह बजट अन्नदाताओं को आत्मनिर्भर बनाएगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चमकाएगा। यह किसानों के लिए एक स्वर्णिम सवेरा है, जहां उनकी मेहनत का हर कण मूल्यवान बने। यह बजट खेती को सिर्फ आजीविका नहीं, बल्कि सम्मान और समृद्धि का जरिया बनाएगा।

किसानों का सम्मान : 'मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना' के लिए 100 करोड़ रुपये से पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा, जो किसानों की आय को दोगुना करने का जरिया बनेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। 'मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना' के लिए 145 करोड़ रुपये मछुआरों को सशक्त करेगी, जो जल-आधारित आजीविका को बढ़ावा देगी। 'प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना' से लाखों किसानों को लाभ मिलेगा, जो उनकी खेती को आसान और लाभकारी बनाएगा। यह योजनाएं किसानों को सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और समृद्धि देती हैं।

सिंचाई और संरक्षण का वरदान : लाखों हेक्टेयर भूमि को पानी मिलेगा, जिससे सूखे का डर खत्म होगा और फसलें लहलहाएंगी। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' और 'अविरल निर्मल नर्मदा योजना' जल संसाधनों को बचाएंगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी खेती कर सकें और प्रकृति का संतुलन बना रहे।

N - नारी : नारी शक्ति का नया सूर्योदय

परिचय - मध्यप्रदेश की नारियां इस बजट की प्राणशक्ति हैं- यह उन्हें सशक्तिकरण का एक नया सूरज देने का वादा है। N - नारी GYAN का चौथा स्तंभ है, जो महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, उद्यमिता और सुरक्षा का ऐसा मंत्र देता है, जो उन्हें समाज का नेतृत्व करने के लिए तैयार करेगा। 4,21,032 करोड़ रुपये का यह बजट नारियों को आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई पहचान देगा। यह महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा सूर्योदय है, जहां हर महिला अपनी शक्ति को पहचाने और समाज में अपनी जगह बनाए। यह बजट महिलाओं को सिर्फ लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम बनाता है।

आर्थिक आजादी का झंडा : 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के लिए 18,669 करोड़ रुपये से 1.29 करोड़ महिलाओं को मासिक सहायता मिलेगी, जो उनकी जिंदगी में आर्थिक स्थिरता लाएगी और उन्हें अपने परिवार के लिए बेहतर फैसले लेने की ताकत देगी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 800 करोड़ रुपये से स्वयं सहायता समूह मजबूत होंगे, ताकि महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। 'नमो ड्रोन दीदी योजना' से महिलाओं को ड्रोन प्रशिक्षण मिलेगा, जो उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ेगा और खेती में उनकी भूमिका को बढ़ाएगा। यह महिलाओं को आर्थिक शक्ति का नया आयाम देगा।

सुरक्षा का किला : गृह विभाग के लिए 12,876 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इससे महिला सुरक्षा के उपाय हैं, जो हर महिला को निडर जीवन देंगे और उन्हें समाज में बिना डर के आगे बढ़ने का हौसला देंगे। 'मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना' जागरूकता और सुरक्षा को बढ़ावा देगी, ताकि महिलाएं अपनी आवाज उठा सकें और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें। यह सुरक्षा का सिर्फ वादा नहीं, बल्कि हकीकत बनाने का प्रयास है।

निष्कर्ष : एक नया मध्यप्रदेश का उदय

GYAN बजट 2025-26 मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भरता और समृद्धि का नया प्रतीक बनाने का संकल्प है। G - गरीब को सम्मान, Y - युवा को शक्ति, A - अन्नदाता को समृद्धि और N - नारी को सशक्तिकरण का यह तोहफा 2047 तक विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को हकीकत बनाएगा। यह मध्यप्रदेश के हर नागरिक के लिए एक स्वर्णिम भविष्य का वादा है, जहां हर वर्ग की आकांक्षाएं साकार होंगी।

- निशांत शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

उद्योग जगत के लिए तैयार कार्यबल का सृजन शैक्षणिक परिसरों से हो सुनिश्चित

भोपाल, वर्तमान परिदृश्य में उद्योग जगत, स्किल्ड कार्यबल के अभाव से जूझ रहा है। शैक्षणिक संस्थानों को तकनीक का उपयोग कर उद्योग जगत के लिए स्किल्ड कार्यबल तैयार करने की आवश्यकता है। शैक्षणिक संस्थानों की दीर्घ तपस्या और अथक प्रयासों से स्किल्ड पेशेवरों की कमी को दूर करने में सहायता मिलेगी, जिससे उद्योग जगत को योग्य कर्मियों की आवश्यकता पूरी हो सकेगी। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में, नवाचार एवं उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के संदर्भ में आयोजित दो दिवसीय 'नवोन्मेष-2025' कार्निवल के शुभारम्भ अवसर पर कही। श्री परमार ने नवाचार एवं उद्यमिता के संदर्भ में कार्यक्रम आयोजन के लिए संस्थान परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने कहा कि स्किल्ड समाज निर्माण में संस्थान का यह योगदान, अभिप्रेरक बनेगा।

श्री परमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में हिंदी भाषा में शब्दकोष होना चाहिए, इससे विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में सुविधाजनक सुलभता होगी। इसके लिए हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। श्री परमार ने कहा कि विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी मातृ-भाषाओं में शिक्षा पद्धति विकसित कर, अपने देश को विश्वमंच पर स्थापित किया है। हमें भी अपने देश को ज्ञान के आधार पर विश्वमंच पर पुनः सिरमौर बनाने के लिए अपनी मातृभाषा में शिक्षा पद्धति विकसित करनी होगी।

श्री परमार ने वर्तमान परिदृश्य में कृषि क्षेत्र में रासायनिक उत्पादों के उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों के प्रश्नों का समाधान शिक्षा क्षेत्र के माध्यम से ही संभव है। हमें कृषि के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर, भारतीय दृष्टि से समृद्ध शोध एवं अनुसंधान कर, समाधान-कारक नवाचार करने की आवश्यकता है। हमारी परंपरा में स्थापित वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर काम करना होगा, जैसा कि पहले भारत में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में हुआ करता था। श्री परमार ने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा, विज्ञान, चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा से समृद्ध रही है। हमें इसे युगानुकूल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोधित करके मानव जीवन के लिए उपयोगी बनाना होगा।

श्री परमार ने कहा कि यहां जो स्टार्टअप्स आए हैं, वे रोज़गार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे। मंत्री श्री परमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा, इसके लिए हम सभी की सहभागिता आवश्यक है।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

पद का नाम - आरक्षक (रसोइया, मोची, दर्जी, नाई, धोबी, सफाईवाला, पेंटर, बढ़ई, इलेक्ट्रिशियन, माली, वेल्डर, चार्ज मैकेनिक और एमपी अटेंडेंट)
पदों की संख्या - 1161
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से मैट्रिक अथवा इसके समकक्ष
अंतिम तिथि - 03 अप्रैल, 2025
वेब. - https://cisfrectt.cisf.gov.in

राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं

पद का नाम - वैज्ञानिक ग्रेड - IV
पदों की संख्या - 30
योग्यता - एमई/एमटेक/पीएचडी (विज्ञान/इंजीनियरिंग)
अंतिम तिथि - 03 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://www.nal.res.in

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - प्रधान वैज्ञानिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और वैज्ञानिक
पदों की संख्या - 31
योग्यता - उक्त पदों के लिए इंजीनियरिंग या विज्ञान विषय में पीएचडी एवं अन्य जरूरी योग्यताएं
अंतिम तिथि - 04 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://cbri.res.in

रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड नर्सिंग साइंसेज

पद का नाम - प्रोफेसर (मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, रेडियो इमेजिंग टेक्नोलॉजी, ऑप्टोमेट्री), एसोसिएट प्रोफेसर (फॉर्मेसी, रेडियो इमेजिंग टेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी, फिजियोथेरेपी, डाइटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन), सहायक प्रोफेसर वरिष्ठ स्केल (नर्सिंग, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी), सहायक प्रोफेसर (फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, डाइटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, आप्टोमेट्री)
पदों की संख्या - 15
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 अप्रैल, 2025
वेब. - https://www.ripans.ac.in

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - संयुक्त महाप्रबंधक (उड़ान संरक्षा), संयुक्त महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), सहायक प्रबंधक (राजभाषा, इलेक्ट्रिकल, सतर्कता, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन एवं प्रशासन), सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, सहायक (मानव संसाधन एवं प्रशासन, वित्त एवं लेखा, सतर्कता)
पदों की संख्या - 25
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 अप्रैल, 2025
वेब.-https://www.pawanhans.co.in

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की

पद का नाम - कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, सहायक सुरक्षा अधिकारी (महिला), कनिष्ठ अभियंता (सिविल), कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक (सैनिटेशन), कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा), कनिष्ठ अधीक्षक, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक, कनिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, चिकित्सा अधिकारी, सहायक कुलसचिव, काउंसलर, तकनीकी अधिकारी लेवल-।।।
पदों की संख्या - 65
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://iitr.ac.in

कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना

पद का नाम - मेधावी खिलाड़ियों की भर्ती- आशुलिपिक ग्रेड-।। (स्टेनो), कर सहायक (टीए), मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
पदों की संख्या - 56
योग्यता - आशुलिपिक ग्रेड-।। (स्टेनो) के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण, कर सहायक(टीए) के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री तथा मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के लिए मैट्रिकुलेशन या समकक्ष योग्यता उत्तीर्ण की हो।
अंतिम तिथि - 05 अप्रैल, 2025
वेब. - https://www.incometaxhyderabad.gov.in

महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कं. लि.

पद का नाम - सीनियर मैनेजर, डिप्टी सीनियर मैनेजर, डिप्टी मैनेजर, जूनियर ऑफिसर
पदों की संख्या - 40
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 08 अप्रैल, 2025
वेब. - https://www.mahagenco.in

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधन प्रशिक्षु (कैमिकल, मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल)
पदों की संख्या - 52
योग्यता - न्यूनतम 65 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्णकालिक इंजीनियरिंग डिग्री
अंतिम तिथि - 07 अप्रैल, 2025
वेब. - https://engineersindia.com

आयुध निर्माणी खमरिया

पद का नाम - कार्यकाल आधारित डेंजर बिल्डिंग वर्कर (डीबीडब्ल्यू)
पदों की संख्या - 179
योग्यता - आयुध निर्माणियों के एओसीपी ट्रेड (एनसीवीटी) के भूतपूर्व प्रशिक्षुओं एवं सरकार से संबद्धता वाले सरकारी/निजी संगठन से एओसीपी ट्रेड (एनसीवीटी) के उम्मीदवार तथा सरकारी आईटीआई से एओसीपी (एनसीवीटी) वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे।
अंतिम तिथि - 04 अप्रैल, 2025
वेब. - https://munitionsindia.in

एडमिशन अलर्ट

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - पीएचडी आयुर्वेद
योग्यता- पाठ्यक्रम के अनुसार
आवेदन की तिथि - 07 अप्रैल, 2025
प्रवेश परीक्षा तिथि - 19 अप्रैल, 2025
वेब. - https://www.cipet.gov.in

कॉन्टेस्ट अलर्ट

स्वच्छ भारत मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश

प्रतियोगिता का नाम - स्वच्छता रील प्रतियोगिता
रील के विषय- गीला-सुखा कचरा अलग-अलग रखो, कचरे का दोबारा उपयोग, खुले में कचरा मत फैलाओ
कैसे करें भागीदारी - उपरोक्त में से किसी एक विषय पर रील बनाओ, उसे प्रतियोगिता में रजिस्टर करें और अपनी रील को सोशल मीडिया पर शेयर करें।
पुरस्कार- प्रथम पुरस्कार दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 50 हजार रुपये और सांत्वना पुरस्कार 25 हजार रुपये।
अंतिम तिथि - 15 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://mp.mygov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

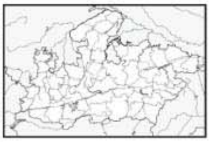

हमारा जिला मऊगंज

विकास की विविध सौगातों के साथ आगे बढ़ता जिला मऊगंज

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के 'हमारा जिला' स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के एक जिले से आपको परिचित करवाते हैं। इस अंक में प्रस्तुत है मऊगंज जिले का परिचय-

मऊगंज जिला, मध्यप्रदेश का 53वां जिला है। यह प्रदेश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में स्थित है। जिले का मुख्यालय मऊगंज में है, विभाजन से पहले मऊगंज रीवा जिले में शामिल था। मऊगंज, नईगढ़ी, हनुमना और देवतालाब तहसीलों को मिलाकर जिला बनाया गया है। मऊगंज जिले में 2 विधानसभा क्षेत्र मऊगंज व देवतालाब हैं तथा उप तहसील देवतालाब को तहसील बनाया जा सकता है। 15 अगस्त, 2023 से दस्तावेजों में भी जिला मऊगंज अस्तित्व में आ गया है। जिले का गठन मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 (क्रमांक सन् 1959) का धारा 13 की उपधारा के तहत हुआ है।

मध्यप्रदेश सरकार ने मऊगंज को विकास की धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में जिला बनाया। नये जिले में ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। विगत दिनों 5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का शिलान्यास हुआ है। इस परियोजना से मऊगंज जिले के चार सौ से अधिक गांव को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। जिले के खटकरी को नगर परिषद बनाया जाएगा और दो सड़कों के उन्नयन, देवतालाब महाविद्यालय में पांच करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम का निर्माण होगा। हनुमना में सिविल अस्पताल बनाने और देव तालाब शिव मंदिर में पांच करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य किया जाना प्रक्रिया में है।

इतिहास

मऊगंज का इतिहास ग्यारहवीं शताब्दी पूर्व का है। जो उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश में स्थित है इस उपजाऊ क्षेत्र में इसकी स्थापना राजपूतों के सेंगर वंश के आगमन से हुई। इसे पहले सेंगर राजाओं के शासन के तहत मऊ राज के नाम से जाना जाता था, वे इस क्षेत्र में बस गए और उन्होंने मऊगंज, मनगवां और बिक्रहटा में किलों का निर्माण कराया।

सेंगर राजा जालौन से इस क्षेत्र में शासन किया। चौदहवीं शताब्दी में बघेलों ने मऊ राज पर आक्रमण किया। उन्होंने मऊ की लड़ाई में सेंगरों को हराया और उनके किले को नष्ट कर दिया और इसे बघेलखंड राज्य में मिला लिया। सेंगरों के वंशजों ने बाद में एक नया किला बनाया और इसका नाम नई गढ़ी रखा, जिसका शाब्दिक अर्थ है एक नया किला।

देवतालाब की प्रसिद्धि का कारण यहां स्थित शिव मंदिर है, जिसके बारे में आसपास के लोगों की मान्यता है कि यह एक पत्थर का मंदिर है, जिसका निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने एक ही रात में किया था। यहां हर वर्ष में तीन मेले लगते हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

बहुती जलप्रपात

बहुती जलप्रपात मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा झरना है। यह सेलर नदी पर है क्योंकि यह मऊगंज की घाटी के किनारे से निकलकर बिहड़ नदी में मिलती है, इसलिए यह टोंस नदी की सहायक नदी है। यह चचाई जलप्रपात के पास है। इसकी ऊंचाई 198 मीटर (650 फीट) है।

शिव मंदिर देवतालाब

देवतालाब में एक ही पत्थर पर बना हुआ विशाल मंदिर है। ऐसा माना जाता है

कि इस मंदिर का निर्माण रातों-रात हुआ और इसे स्वयं भगवान विश्वकर्मा ने बनाया था। ऐसी मान्यता है कि देवतालाब के दर्शन से चारोधाम की यात्रा पूरी होती है। मंदिर से भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है, यहां प्रतिवर्ष तीन मेले लगते हैं और इसी आस्था से प्रतिमाह हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इस दौरान देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु देवतालाब शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं।

रसाज़ की कढ़ी

रसाज की कढ़ी बघेलखंड का पारंपरिक और मशहूर व्यंजन है। यह चने की दाल से

बनाई जाती है। बघेलखंड में किसी के यहां जब शुभ काम होता है तब ज्यादातर इसी तरह के व्यंजन को प्राथमिकता दी जाती है।

पुरातात्विक धरोहर

जिला मऊगंज पुरातात्विक धरोहरों को सहेजे हुए हैं। पूर्व में जडकुड पिपराही से लेकर पश्चिम में कोट (कोदईया) तक उत्तर में चौराघाट से लेकर दक्षिण में देवतालाब तक अलग-अलग समय और काल के पुरातात्विक धरोहर तथा चिन्ह यहां मौजूद हैं। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लांसा में 11वीं तथा 12वीं शताब्दी की मूर्तियां एवं कुछ शैल चित्र अंकित हैं। चौरा घाट के समीप 12वीं तथा 13वीं शताब्दी की मूर्तियां, एक जीर्ण खंडहर निशान के तौर पर है, ग्राम भैंसदई में लगभग 2000 वर्ष पुराना बौद्ध स्तूप कई शैलाश्रय शैलभित्ति चित्र युक्त हैं, बहुती और अष्टभुजी से निकली हुई दोनों नदियों के बीचों-बीच हुए

इस क्षेत्र में कई शैलाश्रय तथा शैलभित्ति युक्त हैं। बेलाघाट शिवराजपुर में शैलाश्रय तथा शैलभित्ति चित्र मौजूद हैं। ग्राम कोट और खूझ में कई स्तूप आकृति के विशाल ढेर और कुछ पत्थर यह दर्शाते हैं कि यहां धातु शोध कार्य भी होता था। इसके अतिरिक्त अष्टभुजी धाम, हटेश्वर नाथ मंदिर और देवतालाब मंदिर पुरातात्विक धरोहर के रूप में है। अष्टभुजी धाम और बहुती जल प्रपात के बीच वाले हिस्से की खुदाई करने पर प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता प्रकट होती है।

प्याज की खेती

मऊगंज जिले में प्याज का उत्पादन कई वर्षों से किया जा रहा है।

एक नजर में	
(जनसांख्यिकी 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार)	
जनसंख्या	616653
क्षेत्रफल	1866.88 वर्ग किलोमीटर
राजस्व प्रभागों की संख्या	2
तहसीलों की संख्या	3
पटवारी हल्का की संख्या	264
आरआई सर्किलों की संख्या	12
ग्राम पंचायतों की संख्या	256
नगर पालिकाओं की संख्या	3
गांवों की संख्या	1070

माता अष्टभुजा धाम

- देवेन्द्र गोरे (लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

प्रियंका गोस्वामी ने 35 किलोमीटर रेस वॉक में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

डुडिंसा, राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता एथलीट प्रियंका गोस्वामी ने महिलाओं की 35 किलोमीटर रेस वॉक में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। प्रियंका ने स्लोवाकिया में आयोजित एक प्रतियोगिता के दौरान यह रिकॉर्ड बनाया। 50 प्रतिभागियों वाली इस रेस में प्रियंका ने दो घंटे 56 मिनट 34 सेकेंड का समय निकाला और रेस में 11वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक इक्वाडोर की पाउला मिलेना टोरेस ने दो घंटे 44 मिनट 26 सेकेंड का समय निकालकर जीता। रेस में किम्बर्ली गार्सिया ने रजत पदक तथा कटरजीना जडजीब्लो ने कांस्य पदक जीता। यह प्रियंका का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। इससे पहले इस स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड मंजू रानी के नाम था। मंजू ने वर्ष 2023 में दो मिनट 57 मिनट 54 सेकेंड के साथ यह रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन अब प्रियंका ने यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया।

क्रिस्टी कोवेंट्री बनीं अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की पहली महिला अध्यक्ष

पायलोस, जिम्बाब्वे की पूर्व खिलाड़ी और खेल प्रशासक क्रिस्टी कोवेंट्री अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई अध्यक्ष चुनी गई हैं। वह आईओसी के 131 वर्षों के इतिहास में 10वीं अध्यक्ष होंगी। वह वैश्विक ओलंपिक संस्था का नेतृत्व करने वाली पहली महिला होंगी, इसके अलावा वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी भी हैं। वह अगले आठ वर्षों तक यह पद संभालेंगी। उनका कार्यकाल वर्ष 2033 तक रहेगा। क्रिस्टी का बतौर आईओसी अध्यक्ष का कार्यकाल बहुत अहम रहेगा। उन्हें वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी मेजबान ढूंढ़ना होगा जो संभवत: भारत या मध्य पूर्व एशिया में हो सकता है।

जिम्बाब्वे की खेल मंत्री और ओलंपिक में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता तैराक क्रिस्टी कोवेंट्री (41 वर्ष) ने आईओसी सदस्यता में 97 आईओसी सदस्यों द्वारा मतदान के बाद सात उम्मीदवारों की प्रतिस्पर्धा में पहले दौर में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने अध्यक्ष पद के चुनाव में स्पेन के जुआन एंटोनियो समारांच को हराया। समारांच उनके सबसे निकटतम प्रतिद्वंद्वी थे जिन्हें 28 वोट मिले। आईओसी अध्यक्ष पद के लिए यह सबसे खुला और

- **क्रिस्टी कोवेंट्री 23 जून को ओलंपिक दिवस पर आधिकारिक तौर पर आईओसी का अध्यक्ष पद संभालेंगी।**
- **कोवेंट्री दो बार ओलंपिक चैम्पियन तैराक भी रह चुकी हैं।**
- **कोवेंट्री ने एथेंस ओलंपिक-2004 और बीजिंग ओलंपिक-2008 में 200 मीटर बैकस्ट्रोक में कुल सात पदक जीते हैं।**
- **इनमें दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।**

मुश्किल से तय होने वाला चुनाव था, जिसमें मतदान से पहले स्पष्ट रूप से कोई आगे नहीं था। कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए कई दौर के मतदान की जरूरत हो सकती है।

कोवेंट्री की जीत निवर्तमान आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक की भी जीत थी क्योंकि वह लंबे समय से उन्हें अपने उत्तराधिकारी के रूप में बढ़ावा देते हुए दिख रहे थे। हालांकि थॉमस बाक ने अपने मतदान के अधिकार का उपयोग नहीं किया। क्रिस्टी कोवेंट्री ने अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा कि मैं आप सभी को गौरवान्वित करूंगी और उम्मीद है कि आप अपने द्वारा लिए गए निर्णय पर बहुत आश्वस्त होंगे। अब हमें मिल-जुलकर काम करना होगा।

आईओसी अध्यक्ष पद की दौड़ में क्रिस्टी कोवेंट्री और जुआन एंटोनियो समारांच के अलावा खेल संचालन संस्थाओं के चार अध्यक्ष भी दावेदार थे जिसमें सेबेस्टियन कोए (आठ वोट), जोहान एलियाश, डेविड लैपर्टिएंट और मोरिनारी वतानबे शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक इस पद पर अधिकतम 12 वर्षों तक काबिज रहे। बतौर अध्यक्ष कोवेंट्री के लिए मुख्य चुनौतियां लॉस एंजिल्स में वर्ष 2028 ओलंपिक खेलों की और राजनीतिक तथा खेल मुद्दों के माध्यम से ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाना होगा, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ कूटनीति में शामिल होना भी शामिल है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स में मध्यप्रदेश ने जीते चार पदक

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश के पैरा एथलीटों ने नई दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया पैरा गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक जीते हैं। इसमें दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक शामिल हैं। मध्यप्रदेश के लिए पहला स्वर्ण पदक भारत रावत ने जीता। रावत ने एफ-33 कैटेगरी की शॉटपुट स्पर्धा में यह पदक अपने नाम किया, वहीं अर्पित शर्मा ने टी-36 कैटेगरी की 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रदेश के सचिन साहू ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में कोमल त्यागी ने एफ-11 कैटेगरी की चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

भारतीय टीम ने विश्वकप क्वालिफायर में बनाई जगह

मनामा, भारत ने फीबा बास्केटबॉल विश्वकप क्वालिफायर के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम ने ग्रुप-एच में बहरीन को 81-77 से हराकर फीबा एशिया कप-2025 में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने फीबा बास्केटबॉल विश्वकप क्वालिफायर-2027 में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि भारतीय टीम ने ग्रुप-एच में अपना दबदबा बनाया और एशिया कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह बास्केटबॉल में भारत के लिए शानदार उपलब्धि है।

सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में की शानदार वापसी

शिलांग, भारत के स्टार फुटबॉलर और कप्तान सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दमदार वापसी करते हुए गोल दागा। सुनील के इस गोल की मदद से भारत ने मैत्री मैच में मालदीव को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने नवंबर 2023 से लगातार 12 मैचों से चल रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया है। मैच में भारत के लिए पहला गोल 35वें मिनट में राहुल भेके ने किया, वहीं 66वें मिनट में लिस्टन कोलाको ने गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद मैच के 77वें मिनट में सुनील छेत्री ने हेडर के जरिए बेहतरीन गोल किया। यह सुनील के अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर का 95वां गोल है।

उल्लेखनीय है कि सुनील छेत्री ने वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया था, लेकिन सुनील की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में दोबारा कदम रखने का फैसला किया।

राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में खेल सकते हैं प्रवासी भारतीय

नई दिल्ली, भारतीय फुटबॉल टीम में जल्द ही भारतीय मूल के प्रवासी खिलाड़ी खेल सकते हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि वे राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में भारत के विदेशी नागरिक खिलाड़ियों को एकीकृत करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इस योजना के तहत विदेशी लीगों में खेल रहे भारतीय मूल के फुटबॉल खिलाड़ी भी अब भारतीय टीम के लिए खेल सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह नीति टॉप क्वालिटी स्ट्राइकर की खोज को पूरा कर सकती है, जिसकी कमी से सुनील छेत्री को संन्यास से वापस लौटना पड़ा। हमें भारतीय स्ट्राइकरों को विकसित करने की दीर्घकालिक योजना पर काम करना पड़ेगा।

प्रणति ने जिम्नास्टिक विश्वकप में जीता कांस्य पदक

अंताल्या, भारत की युवा जिम्नास्ट प्रणति नायक ने तुर्की के अंताल्या में आयोजित एफआईजी कलात्म जिम्नास्टिक विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। विश्वकप में प्रणति ने वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया और तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में अमेरिका की जयला हैंग (13.667) पहले तथा क्लेयर पीज (13.567) दूसरे स्थान पर रहीं। प्रणति का एफआईजी जिम्नास्टिक विश्वकप में यह दूसरा कांस्य पदक है।

महिला धाविका अर्चना जाधव पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर चार वर्ष के लिए प्रतिबंध लगाया गया है. अर्चना पर यह प्रतिबंध जनवरी में 2025 में हुए डोप टेस्ट में फेल होने के कारण लगाया गया है। अर्चना ने इस मामले में किसी तरह की आपत्ति नहीं दर्ज कराई, जिसके बाद वर्ल्ड एथलेटिक्स ने उनके कदम को अपराध स्वीकार करना माना है और उन पर प्रतिबंध लगाया।

बीसीसीआई ने महिला खिलाड़ियों के लिए किया सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला क्रिकेटरों के लिए केंद्रीय अनुबंध (सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट) का ऐलान कर दिया है। बोर्ड ने 16 खिलाड़ियों को 3 कैटेगरी में बांटा है। ग्रेड-ए में स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर समेत 3 खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं ग्रेड-बी में 4 खिलाड़ियों को जगह मिली हैं। इसी तरह ग्रेड-सी में 9 खिलाड़ी शामिल की गई हैं।

ग्रेड-ए में शामिल स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा को हर वर्ष 50-50 लाख रुपये मिलेंगे, वहीं ग्रेड-बी में शामिल खिलाड़ियों को 30-30 लाख रुपये वार्षिक मिलेंगे। ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को हर वर्ष 10-10 लाख रुपये वर्ष मिलेंगे।

बीसीसीआई ने वर्ष 2022 में ऐलान किया था कि महिला क्रिकेटरों को भी पुरुष क्रिकेटरों के समान मैच फीस तथा अन्य लाभ मिलेंगे। पुरुष और महिला क्रिकेटरों को मैच फीस तो एक समान मिलती है, लेकिन सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की राशि में बड़ा

अंतर है। भारतीय पुरुष क्रिकेटर्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की बात की जाए तो ग्रेड-ए के खिलाड़ियों को प्रति वर्ष 5-5 करोड़ रुपये मिलते हैं। ग्रेड-बी को 3-3 करोड़ और ग्रेड-सी के खिलाड़ियों को 1-1 करोड़ रुपये मिलते हैं। पुरुष क्रिकेट में सबसे बड़ी ग्रेड-ए प्लस होती है, इसमें शामिल प्लेयर्स को 7-7 करोड़ रुपये वार्षिक मिलते हैं।

ग्रेड-ए : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा।

ग्रेड-बी : रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, शैफाली वर्मा।

ग्रेड-सी : यास्तिका भाटिया, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, स्नेह राणा, पूजा वस्त्राकर।

बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए पुरस्कार राशि की घोषित

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी-2025 का खिताब जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ को पुरस्कृत करने का फैसला किया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने विजेता टीम को 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 58 करोड़ रुपये की नकद इनाम राशि में से 3-3 करोड़ रुपये टीम में शामिल हर खिलाड़ी को दी जाएगी। वहीं, टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को तीन करोड़ रुपये पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे, जबकि कोचिंग स्टाफ में शामिल असिस्टेंट कोच, बैटिंग कोच और बॉलिंग कोच को 50-50 लाख रुपये दिए जाएंगे। सैकिया ने बताया

- **भारतीय टीम में शामिल प्रत्येक खिलाड़ियों को 3-3 करोड़ रुपये का मिलेगा पुरस्कार।**
- **टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी 3 करोड़ रुपये मिलेंगे।**
- **कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को मिलेंगे 50-50 लाख रुपये।**
- **टीम ऑफिशियल्स को मिलेंगे 25-25 लाख रुपये।**

कि सपोर्ट स्टाफ को भी 50-50 लाख रुपये और बीसीसीआई के अधिकारियों (चयन समिति के सदस्य) को भी 25-25 लाख रुपये इनाम के रूप में दिए जाएंगे।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा कि भारतीय टीमों द्वारा लगातार आईसीसी खिताब जीतना विशेष है और यह पुरस्कार वैश्विक मंच पर टीम इंडिया के समर्पण और उत्कृष्टता को दर्शाता है। ये आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप जीत के बाद वर्ष 2025 में हमारी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी रही।

टूर्नामेंट में भारत का रहा दबदबा

गौरतलब हो कि भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुआई में पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। बिना एक भी मैच गंवाए भारत ने जीत दर्ज की। लीग स्टेज पर भारत ने बांग्लादेश, पाकिस्तान और फिर न्यूजीलैंड को मात दी। इसके बाद सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया तथा फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता।

श्रेयस और इशान को मिल सकता है सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट

बीसीसीआई जल्द ही पुरुष क्रिकेटरों के लिए भी वार्षिक अनुबंध जारी कर सकता है। माना जा रहा है कि इस बार सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में श्रेयस अय्यर और इशान किशन की वापसी हो सकती है। श्रेयस पिछले कई महीनों से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भी बेहतरीन बल्लेबाजी की थी, वहीं इशान किशन आईपीएल में शानदार प्रदर्श कर रहे हैं।

ऑस्कर पिएस्त्री ने जीती चीनी ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

शंघाई, ऑस्ट्रेलिया के कार रेसर ऑस्कर पिएस्त्री ने एक बार फिर रफ्तार के खेल फॉर्मूला-वन में अपना जलवा दिखाया है। पिएस्त्री ने शंघाई में आयोजित चीनी ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस का खिताब जीत लिया है। मैक्लेरेन टीम के लिए रेसिंग करने वाले ऑस्कर पिएस्त्री ने पहली बार चीनी ग्रांप्री रेस जीती है। रेस में मैक्लेरेन टीम के रेसरों का दबदबा रहा। 56 लैप की इस रेस को ऑस्कर पिएस्त्री ने एक घंटा 30 मिनट 55.026 सेकेंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया, जबकि उनके टीम साथी लैंडो नॉरिस दूसरे स्थान पर रहे। रेस में जॉर्ज रसेल तीसरे, मैक्स वर्स्टपिन चौथे तथा एस्टाबेन ओकेन पांचवें स्थान पर रहे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पीओके पर रखा अपना पक्ष

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा उठाये गए जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान को जबाव देते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने कहा कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि वह जिस पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) में बैठा है, उसे छोड़ना ही होगा। अगर पाकिस्तान शांति चाहता है, तो उसे आतंकवाद को शरण देना बंद करना होगा।

सैन्य सहयोग का दायरा बढ़ायेंगे भारत और इटली

भारत और इटली सैन्य सहयोग का दायरा बढ़ायेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रोम में आयोजित हुई भारत-इटली सैन्य सहयोग समूह की बैठक में दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग की वृद्धि की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक के मुख्य एजेंडे में भारतीय और इटेलियन सशस्त्र बलों के बीच बेहतर समन्वय, क्षमता के विकास का प्रयास और सहयोग को मजबूत करना शामिल है।

भारत की यात्रा पर आयेंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही आधाकारिक यात्रा पर भारत आयेंगे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भारत दौरे का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। रूस के विदेश मंत्री श्री सर्गेई लावरोव ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे की तैयारियां चल रही हैं। लावरोव ने यह जानकारी 'रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर' समिट को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2024 में रूस का दौरा किया था, अब हमारी बारी है। हालांकि लावरोव ने पुतिन के भारत दौरे की तारीखें नहीं बताई हैं। उल्लेखनीय है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इससे पहले वर्ष 2021 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बावलियाली धाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की पूर्ति के लिये सबसे पहले गांवों को विकसित करना है आवश्यक - प्रधानमंत्री

- समुदाय को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका।
- भरवाड़ समुदाय के समर्पण, प्रकृति के प्रति प्रेम और गोरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मिली सराहना।
- गांवों का विकास करना, विकसित भारत के निर्माण की दिशा में पहला कदम है।
- 'सबका प्रयास' का महत्व राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के बावलियाली धाम में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भरवाड़ समाज की ओर से आयोजित बावलियाली धाम के कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि पिछले एक सप्ताह से भावनगर की धरती भगवान श्रीकृष्ण के धाम वृंदावन के रूप में बदल गई थी। लोग भगवान कृष्ण के सार में डूब गए थे। बावलियाली केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि भरवाड़ समुदाय और कई अन्य लोगों के लिए आस्था, संस्कृति और एकता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नागा लाखा ठाकुर के आशीर्वाद से, बावलियाली का पवित्र स्थान हमेशा भरवाड़ समुदाय को सच्ची दिशा और असीम प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने हजारों महिलाओं द्वारा किए गए रास पर विचार व्यक्त करते हुए इसे वृंदावन का जीवंत अवतार, आस्था, संस्कृति और परंपरा का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण बताया तथा इसे अपार आनंद और संतुष्टि के स्रोत की संज्ञा दी।

साझा भावना पर भी विचार रखें

प्रधानमंत्री ने कहा कि समुदाय को भागवत कथा के माध्यम से मूल्यवान संदेश मिलते रहेंगे। उन्होंने इसमें शामिल सभी लोगों की सराहना की और कहा कि उनके प्रयास अनंत प्रशंसा के पात्र हैं। इस अवसर पर श्री मोदी ने भरवाड़ समुदाय और बावलियाली धाम के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों पर प्रकाश डाला तथा समुदाय के सेवा के प्रति समर्पण, प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और गो रक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए इन मूल्यों को शब्दों से परे बताया। उन्होंने समुदाय के भीतर गहराई से गूंजने वाली साझा भावना पर भी विचार रखे।

प्रेरणा का प्रतीक बताया

नागा लाखा ठाकुर की विरासत को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनके योगदान को सेवा और प्रेरणा का प्रतीक बताया। उन्होंने ठाकुर के प्रयासों के स्थायी प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिन्हें सदियों बाद भी याद किया जाता है और मनाया जाता है। उन्होंने गुजरात में चुनौतीपूर्ण समय, विशेष रूप से गंभीर सूखे की अवधि के दौरान पूज्य ईसु बापू द्वारा की गई उल्लेखनीय सेवाओं के बारे में अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया। प्रधानमंत्री ने धंधुका और रामपुर जैसे क्षेत्रों में होने वाली भारी कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां पानी की कमी की समस्या लंबे समय से चली आ रही थी। उन्होंने पीड़ितों के लिए पूज्य ईसु बापू की निःस्वार्थ सेवा की प्रशंसा की, इसे गुजरात भर में मान्यता देने वाला और पूजनीय दैवीय कार्य बताया। प्रधानमंत्री ने विस्थापित समुदायों के कल्याण, उनके बच्चों की शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और गिर गायों के संरक्षण के लिए ईसु बापू के समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईसु बापू के काम का हर पहलू सेवा और करुणा की गहरी परंपरा को दर्शाता है।

विकसित भारत के सपने का समर्थन

श्री मोदी ने भरवाड़ समुदाय के साथ अपने गहरे संबंधों पर जोर देते हुए उन्हें अपना परिवार और भागीदार बताया। उन्होंने बावलियाली धाम में एकत्रित लोगों के बारे में विश्वास व्यक्त किया कि समुदाय अगले 25 वर्षों में उनके विकसित भारत के सपने का समर्थन करेगा। उन्होंने सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि "सबका प्रयास" देश की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण की दिशा में पहले कदम के रूप में गांवों को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सेना के लिए एडवांस टोव आर्टिलरी गन सिस्टम को मिली मंजूरी

भारतीय सेना के लिए 155 एमएम कैलिबर की एडवांस टोव आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) की खरीद को कैबिनेट मंजूरी मिल गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने यह मंजूरी प्रदान की है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार एडवांस टोव आर्टिलरी गन सिस्टम एक स्वदेशी गन सिस्टम है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। इस गन सिस्टम का सौदा लगभग सात हजार करोड़ रुपये का है। इस गन सिस्टम की रेंज 48 किलोमीटर तक है। भारत फोर्ज और टाटा अडवांस सिस्टम्स इसे बनायेंगे।

भारतीय सेना का होगा आधुनिकीकरण

करगिल युद्ध के बाद सेना का आधुनिकीकरण करने की दिशा में कदम बढ़ाए गए। सेना की आर्टिलरी यानी तोपखाने को और मजबूत किया गया और स्वदेशी तोपों को भी सेना में शामिल किया गया। भारतीय सेना के पास अब 155 एमएम अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर एम-777 गन भी हैं। यह तोप इतनी हल्की हैं कि हेलीकॉप्टर के जरिए हाई ऑल्टिट्यूट इलाके में पहुंचाया जा सकता है।

सेना को अमेरिका से मिलीं 145 तोपें

भारत ने अमेरिका से 145 तोपों का करार किया था और सभी तोपें भारतीय सेना को मिल चुकी हैं। इसे लद्दाख के साथ-साथ ईस्टर्न सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी तैनात किया जा चुका है।

इस वर्ष के अंत तक अंतरिक्ष में जाएगी महिला रोबोट व्योममित्र

भारत जल्द ही अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन गगनयान को अंतरिक्ष में भेजेगा। यह जानकारी केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। डॉ. सिंह ने लोकसभा में अंतरिक्ष संबंधी पूरक प्रश्नों का जबाव देते हुए कहा कि मिशन गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी पूरी हो गई है और इसकी आखिरी परीक्षण उड़ान के तहत इस वर्ष के अंत में महिला रोबोट 'व्योममित्र' को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि मिशन गगनयान भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है, इस मिशन के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चयन किया जा चुका है।

डॉ. सिंह ने कहा कि इस मिशन के तहत आखिरी परीक्षण उड़ान की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आखिरी परीक्षण उड़ान जो एक प्रकार से ड्रेस रिहर्सल होगी। इस परीक्षण के दौरान महिला रोबोट व्योममित्र अंतरिक्ष में जाएगी और सुरक्षित तरीके से वापस भी लौटेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षण संबंधी सारी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद मिशन गगनयान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

एफ-47 लड़ाकू विमान: अमेरिका बनाएगा अब तक का सबसे घातक लड़ाकू विमान

चीन के बाद अब अमेरिका ने भी छठवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बनाने की तैयारी कर ली है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिका छठवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बनाएगा, जो अब तक का सबसे घातक लड़ाकू विमान होगा। इसका नाम एफ-47 होगा। इस लड़ाकू विमान का निर्माण अमेरिकी विमानन कंपनी बोइंग करेगी।

ट्रंप ने कहा कि एफ-47 लड़ाकू विमान को नेक्स्ट जेनरेशन एयर डोमिनेंस (एनजीएडी) कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह अमेरिकी वायु सेना में एफ-22 रैप्टर की जगह लेगा। ट्रंप ने कहा कि इस विमान का एक प्रायोगिक संस्करण लगभग पांच वर्ष से गुप्त रूप से उड़ान भर रहा है। यह अन्य देशों की क्षमताओं से कहीं अधिक शक्तिशाली है। ट्रंप ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसे लड़ाकू विमान का निर्माण करना है, जो हवा से हवा में लड़ाई में श्रेष्ठ हो तथा स्वायत्त ड्रोन के साथ समन्वय में काम कर सके।

- इस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान को एफ-47 नाम दिया गया है।
- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं, इसलिए इसे एफ-47 नाम दिया गया है।
- यह लड़ाकू विमान वर्ष 2030 तक अमेरिकी वायुसेना में हो सकता है शामिल।

दुनिया का सबसे महंगा लड़ाकू विमान होगा

एफ-47 का निर्माण करने वाली कंपनी बोइंग ने कहा है कि यह दुनिया का सबसे महंगा लड़ाकू विमान होगा। यह विमान एफ-35 और एफ-22 रैप्टर से भी ज्यादा शक्तिशाली होगा। इसकी प्रत्येक यूनिट की कीमत सैकड़ों मिलियन डॉलर होगी। माना जा रहा है कि इस विमान की अनुमानित लागत 20 बिलियन डॉलर तक हो सकती है। यह विमान अमेरिका के सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान एफ-35 से तीन-चार गुना ज्यादा कीमत का होगा।

रक्षा बजट में दो गुना वृद्धि करेगा जर्मनी

अमेरिका की चेतावनी के बावजूद जर्मनी अपने रक्षा बजट में इजाफा करने की योजना बना रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यह पहली बार है जब जर्मनी रक्षा बजट को दोगुना करेगा। जर्मनी के नवनिर्वाचित चांसलर फ्रेडरिक मत्ज ने ऐलान किया है कि जर्मनी रक्षा क्षेत्र में जीडीपी का 3.5 प्रतिशत खर्च करेगा, जो कि मौजूदा रक्षा बजट से दो गुना अधिक है। मत्ज ने कहा है कि जर्मनी अब अपनी सैन्य ताकत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।